RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 179 , मंगलवार, 11 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

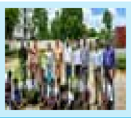
विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर लिया स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित भविष्य का संकल्प 03

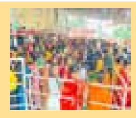
दूसरी सोमवारी पर बाबा सोमेश्वरनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने... 04

'लोगों की परवाह मत करो', यश ने 'टॉक्सिक' ट्रेलर लॉन्च पर कियारा... 07

संक्षिप्त समाचार

राममंदिर चढ़ावा चोरी

चंपत राय फिर महासचिव की रेस में, विहिप ने क्लीनचिट दी

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों से घिरे चंपत राय एक बार फिर मंदिर ट्रस्ट के महासचिव बनने की रेस में है। चंपत ने 26 जून को महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था।

सूत्रों के मुताबिक, 22 जुलाई को दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की राष्ट्रीय बैठक में उन्हें क्लीनचिट दे दी गई। इसके अगले ही दिन अयोध्या में उनके

समर्थन में संतों ने बैठक की। मणिराम दास छावनी में हुई बैठक में कई प्रमुख संतों ने चंपत राय को बेदाग बताते हुए दोबारा महासचिव बनाने की मांग उठाई। ज्यादातर संतों ने इसका समर्थन भी किया। इसके बाद से चंपत राय रोज संतों के पास पहुंच रहे हैं। वह मंदिरों में पहुंचकर संतों-महंतों से मुलाकात कर रहे हैं। राम मंदिर व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श कर रहे हैं। खुद के प्रति विश्वास बढ़ाने की कोशिश में लगे हैं।

संत बोले- जांच में बेदाग हैं, तो दोबारा महासचिव बनें- रामवल्लभाकुंज के प्रमुख और राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि संत समाज की नजर में चंपत राय निर्दोष हैं। अगर सभी जांचों में वे बेदाग साबित होते हैं, तो उन्हें दोबारा महासचिव बनाया जाना स्वागत योग्य होगा। इससे राम मंदिर की व्यवस्था और सनातन समाज के हित में काम होगा।

बंगाल सरकार इमरजेंसी में जेल गए लोगों को 10 हजार पेंशन देगी

सीएम शुभेंदु ने घोषणा की

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने इमरजेंसी के दौरान जेल जाने वाले बंगाल के 325 लोगों के लिए 10 हजार पेंशन का ऐलान किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि इन लोगों ने लोकतंत्र को बचाने के लिए काफी परेशानियां झेली थीं।

राज्य सचिवालय में कार्यक्रम के दौरान अधिकारी ने बताया कि इमरजेंसी में जेल गए 325 लोगों की पहचान पश्चिमबंग लोकतंत्र सेनानी सम्मान के तहत की गई है। उन्होंने कहा कि नई सरकार देश के लिए कुर्बानी देने वाले इन्हीं वीरों के आदर्शों पर बनी है। केंद्र की भाजपा सरकार 1975 में लगी इमरजेंसी के दिन (25 जून) को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाती है।

बेकाबू कार ने सांगानेर में मचाया जमकर गदर, पिता-बेटी की मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में सांगानेर इलाके में एक बेकाबू कार ने जमकर कहर बरपाया। यहां एक तेज रफ्तार बेकाबू कार ने कहर बरपाते हुए 8 से ज्यादा लोगों को टक्कर मार दी। इस दर्दनाक दुर्घटना में स्थानीय किराना व्यापारी विष्णु गोयल और उनकी 3 साल की मासूम बेटी की मौके पर ही मौत हो गई।

रांची में छात्रों का आर-पार आंदोलन, आखिरी बैरिकेडिंग भी टूटी, प्रदर्शन तेज

- झारखंड विधानसभा के गेट नंबर-1 के बाहर पहुंचे प्रदर्शनकारी छात्र, लाठीचार्ज, आंसू गैस छोड़ी
- राहुल गांधी बोले- स्टूडेंट्स पर बल प्रयोग गलत

रांची (एजेंसी)। झारखंड के रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र बैरिकेडिंग तोड़ विधानसभा गेट के पास पहुंच गए। छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो-तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। कुछ छात्रों के सिर पर चोटें आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकीं। पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए।'

इससे पहले आंदोलनकारी छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी।

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो बोले- यह आंदोलन रुकने वाला नहीं- छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है। यह एक जन-आंदोलन बन गया है। 'युवा' शब्द को उल्टा करने पर 'वायु' बनता है और 'वायु' को कोई नहीं रोक सकता।

इस विधानसभा मार्च में छात्रों का दर्द देख सकते हैं। 9 दिन की भूख हड़ताल के बाद भी मैं एंबुलेंस से यहां आया हूं और स्ट्रेचर पर इस मार्च का हिस्सा बना हूं। लेकिन यह सरकार हमारी आवाज दबा रही है और वॉटर कैनन व आंसू गैस के गोले इस्तेमाल कर रही है। यह निंदनीय है। सरकार डरी हुई है। यह कायर सरकार है।

सरकार के साथ हमारी 3 दौर की बातचीत हुई है, उन्हें हमारी मांगें पूरी करनी चाहिए। अगर छात्रों की मांगें पूरी नहीं हुईं, तो सीएम पद खतरे में पड़ जाएगा।

बाबूलाल मरांडी ने कहा-पूर्व अध्यक्ष की गिरफ्तारी सिर्फ दिखावा- नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांगते की गिरफ्तारी सिर्फ दिखावा है। हेमंत सरकार विनय चौबे की तरह इन्हें भी बिना चार्जशीट दाखिल किए डिफॉल्ट बेल दिलाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देगी।

कुल्हाड़ी लेकर पहुंचा 'पुष्पा राज', छात्रों के लिए आया 'स्पाइडर मैन',

झारखंड पीएससी-एसएससी में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा घेरने पहुंचे। इस दौरान कई

जगह बैरिकेडिंग तोड़ी गई, तो कहीं बैरिकेडिंग पर छात्र चढ़ गए। कंटीले तार भी छात्रों को नहीं रोक पाए, वो इसे भी पार करके आगे बढ़े। प्रदर्शन के बीच छात्र की गांधीगिरी दिखी वो एक हाथ में गुलाब और एक में तिरंगा लेकर पहुंचा। वहीं कोई स्पाइडमैन तो कोई पुष्पा राज की स्टाइल में बात करते दिखा। छात्रों ने तिरंगा से लेकर फ्लैश मार्च तक निकाला। परीक्षा की धांधली रोकने पहुंचा स्पाइडरमैन। तौल कर नौकरी बेच रहे छात्र। वाटर कैनन पर छात्रों का रेन डांस हुआ। छात्रों ने गांधीगीरी की, गुलाब लेकर पहुंचे कई छात्र।

विधानसभा घेराव' मार्च के बीच सीआईडी का एक्शन, जेपीससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते अरेस्ट- झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं को लेकर चल रहे छात्र

आंदोलन के बीच सोमवार को बड़ा एक्शन सामने आया है। झारखंड सीआईडी ने झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन एल. खियांगते को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब रांची में बड़ी संख्या में छात्र और अभ्यर्थी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और विधानसभा घेराव के लिए मार्च कर रहे हैं।

मानसून सत्र खत्म होने से पहले 3 बड़ी मांग

पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ खरगे और राहुल गांधी ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में हुए जंतर-मंतर के प्रदर्शन के दौरान युवा छात्रों पर लाठी चार्ज, पैलेट गन-आंसू गैस के गोले के मामले पर आज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक अहम प्रेस वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने पीएम मोदी और अमित शाह पर कई गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले पर भी जवाब मांगा है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी और अमित शाह से तीन मांग उठाई है और इसपर जल्द से जल्द जवाब देने के लिए कहा है। पी7-पी8

अमित शाह जंतर-मंतर लाठीचार्ज मामले पर संसद में जवाब देंगे

रिजिजू बोले- विपक्ष को सुनना पड़ेगा, भाग नहीं सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन और पुलिस एक्शन मामले पर सदन में जवाब देंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि शाह विस्तार से जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा। हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस एक्शन को लेकर विपक्ष लगातार गृहमंत्री के बयान की मांग कर रहा है।

यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर

मप्र में नाले में बही कार, 9 की मौत

- झालावाड़ में बाढ़ जैसे हालात, स्कूल में घुसा पानी, जिंदगी और मौत के बीच फंसे मासूमों को बचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल पर भारी बारिश के बीच ईको वैन नाले में बह गई। वैन में 11 लोग सवार थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। दो तैरकर बाहर निकल आए। तेज बारिश के कारण नाले का पानी पुल के ऊपर से बह रहा था। ड्राइवर को अधूरा पुल दिखाई नहीं दिया, जिससे वैन नाले में जा गिरी। झालावाड़ में भारी बारिश के बीच उफनता बरसाती नाला जब अचानक सरकारी स्कूल में घुसा, तो सहमे मासूमों की सांसें अटक गईं। मौत के इस जाल से बच्चों को निकालने के लिए शिक्षकों और ग्रामीणों ने जिंदगी दांव पर लगा दी।

राजस्थान के जयपुर स्थित कानोता और झालावाड़ का कालीखाड़ डैम ओवरफ्लो हो गया है। झीकनी गांव के स्कूल में पानी भर गया। यहां फंसे 30 विद्यार्थियों को गांव के लोगों की मदद से रेस्क्यू किया गया। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में रविवार रात सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। बाड़मेर में भी सड़कें लबालब हो गईं। रेलवे स्टेशन, सब्जी मंडी, हॉस्पिटल रोड समेत प्रमुख इलाकों में 2 से 4 फीट तक पानी भर गया। कई जगह दुकानों और घरों में भी पानी घुस गया।

यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लोग सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। काशी में सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं।

ड्रायवर नहीं माना और निकाल दी कार

राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल से ईको कार बह गई। इसमें कुल 11 लोग सवार थे। 9 की मौत हो गई। दो लोग बाहर निकाल आए। हादसा पचोर-सारंगपुर रोड पर पड़ाना कस्बे में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात हुआ। सूचना मिलते ही एसडीएम रोहित बम्होरे और एसडीओपी अरविंद सिंह मौके पर पहुंचे।

कांग्रेस ने मांगा बीजेपी सरकार से 'हिसाब', जयपुर में उग्र प्रदर्शन के दौरान चली वॉटर कैनन

जयपुर (एजेंसी)। प्रदेश की राजधानी जयपुर में आज कांग्रेस की ओर से बड़ा प्रदर्शन किया गया। बीजेपी सरकार और जयपुर नगर निगम के खिलाफ कांग्रेस के इस जोरदार प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के कई बड़े नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस ने जयपुर शहर की बदहाल व्यवस्था, जर्जर सड़कों और नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में कांग्रेस ने 'हिसाब मांगो रैली' निकाली।

वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में निकला मार्च

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और जयपुर शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा के नेतृत्व में भारी संख्या में कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारी सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े। प्रदर्शन के दौरान माहौल तब तनावपूर्ण हो गया जब बैरिकेड्स पर पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन (पानी की बौछार) का इस्तेमाल करना पड़ा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सावन के सोमवार पर हरिद्वार में आस्था का सैलाब उमड़ा

गंगा घाटों पर उमड़ी शिवभक्तों की भारी भीड़, कांवड़ियों से भरी हर की पैड़ी

हरिद्वार (एजेंसी)। सावन के सोमवार पर हरिद्वार में आस्था का सैलाब देखने को मिला। गंगा स्नान और जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कांवड़िये हर की पैड़ी और आसपास के घाटों पर पहुंचे। बारिश के बीच भी शिवभक्तों के उत्साह में कोई कमी नजर नहीं आई। हर की पैड़ी पर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच रंग-बिरंगे छाते भी नजर आए। गंगा घाटों पर स्नान और पूजा-अर्चना के लिए लोगों की कतारें लगी रहीं। चारों तरफ 'हर हर महादेव' और 'बम भोले' के जयकारे गूंजते रहे। घाटों पर उमड़ी भीड़ का ड्रोन वीडियो भी सामने आया है। हवाई तस्वीरों में हर की पैड़ी और आसपास का इलाका श्रद्धालुओं से खचाखच भरा नजर आ रहा है। भगवा रंग और रंग-बिरंगे छातों से सजे घाट सावन के सोमवार पर हरिद्वार की भव्य आस्था का नजारा पेश कर रहे हैं।

भगवान शिव की भव्य झांकियां आकर्षण का केंद्र: हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजी देवभूमि

हरिद्वार में कांवड़ यात्रा के दौरान धर्मनगरी पूरी तरह शिवमय नजर आ रही है। रंग-बिरंगी रोशनी से सजे वाहनों पर भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों की भव्य झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। सड़कों पर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भारी मौजूदगी के बीच हर-हर महादेव के जयकारों से माहौल भक्तिमय है। भगवान शिव की आकर्षक झांकियां और सजे वाहन कांवड़ यात्रा की धार्मिक छटा को और खास बना रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जीविका दीदियां बना रहीं राष्ट्रध्वज, 'हर घर तिरंगा' अभियान के लिए, महिला सशक्तीकरण का दिया संदेश

हाजीपुर। वैशाली जिले में 09 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा अभियान' चलाया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस-2026 और 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह अभियान आयोजित हो रहा है। जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह के निर्देश पर जीविका वैशाली की दीदियां राष्ट्रीय ध्वज तैयार करने में जुटी हैं। जीविका समूहों से जुड़ी महिलाएं पूरे उत्साह और समर्पण के साथ तिरंगे का निर्माण कर रही हैं। कटाई और सिलाई जैसे सभी कार्य सामूहिक रूप से किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और उसके निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जीविका दीदियों का कहना है कि राष्ट्रीय पर्व के लिए तिरंगा तैयार करना उनके लिए रोजगार के साथ-साथ गौरव और सम्मान का विषय है। उनके हाथों से बने प्रत्येक तिरंगे से स्वतंत्रता दिवस पर घर-घर राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचेगा। जिला प्रशासन का मानना है कि इस पहल से महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर मिल रहा है, साथ ही राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी भी बढ़ रही है। जिलाधिकारी के निर्देश पर इस अभियान को सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर जन-आंदोलन का रूप देने की तैयारी है। प्रशासन ने जिलेवासियों से 09 से 17 अगस्त तक अभियान में सक्रिय भागीदारी करने और अपने घरों, प्रतिष्ठानों व संस्थानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की अपील की है।

श्रावणी मेले में 24 घंटे एक्टिव रहेगा कंट्रोल रूम, कांवरियों की शिकायतों का होगा त्वरित समाधान

हाजीपुर। श्रावणी मेला के दौरान कांवरियों और श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सेवा को लेकर वैशाली जिला प्रशासन ने व्यापक व्यवस्था की है। जिला पदाधिकारी ने रविवार को नगर परिषद हाजीपुर के कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक समेत संबंधित पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे। कंट्रोल रूम को 24×7 संचालित किया जाएगा। यहां कांवरियों और आम नागरिकों की शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित विभाग को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जाएगा। प्रशासन ने कंट्रोल रूम को त्वरित सेवा, पारदर्शिता और जवाबदेही के आधार पर संचालित करने की व्यवस्था की है। श्रावणी मेला के दौरान डीएम वर्षा सिंह स्वयं कांवरियों के बीच पहुंचीं और उनकी सुविधा एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली। उन्होंने कांवरियों को फल, नींबू पानी, ठंडा पेयजल और आवश्यक दवाएं वितरित कीं। डीएम ने श्रद्धालुओं से बातचीत कर मेला व्यवस्था का फीडबैक भी लिया और अधिकारियों को उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। मौके पर स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम भी तैनात रही। टीम ने कांवरियों और श्रद्धालुओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं। जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और दवाओं की सुविधा भी सुनिश्चित की गई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेला अवधि में पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश, यातायात, सुरक्षा, चिकित्सा, शौचालय और विश्राम स्थल जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ भीड़ प्रबंधन, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर रखने को कहा गया है। किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों और सूचनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित मार्ग और प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं का पालन करें। किसी भी समस्या की स्थिति में कंट्रोल रूम या नजदीकी प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी से संपर्क करें। जिला प्रशासन का संकल्प है कि कांवरियों की सेवा, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाजनक श्रावणी मेला सुनिश्चित किया जाए।

सोनपुर हरिहरनाथ मंदिर पहुंचे 20 हजार श्रद्धालु, श्रद्धालुओं के लिए 2 अरघा से जलाभिषेक की व्यवस्था

हाजीपुर। सोनपुर के प्रसिद्ध बाबा हरिहरनाथ मंदिर में सावन मास की दूसरी सोमवारी पर 20 हजार श्रद्धालु की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्त बाबा हरिहरनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचे। मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर समिति और प्रशासन ने दो अरघा की व्यवस्था की है। इन अरघा के माध्यम से श्रद्धालु सुगमतापूर्वक बाबा हरिहरनाथ को जल अर्पित कर रहे हैं, जिससे जलाभिषेक की प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी है। भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंदिर परिसर के बाहर से ही बैरिकेडिंग कर कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु निर्धारित मार्ग से कतार में लगकर मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। जलाभिषेक के बाद सुरक्षाकर्मी उन्हें दूसरे रास्ते से बाहर निकाल रहे हैं। प्रशासन और मंदिर समिति का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन और जलाभिषेक की सुविधा प्रदान करना है। इसके साथ ही, मंदिर परिसर में भीड़ को अनियंत्रित होने से रोकना, आवाजाही को व्यवस्थित रखना और स्वच्छता बनाए रखना भी इन व्यवस्थाओं का लक्ष्य है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस और अन्य सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। दूसरी सोमवारी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के बावजूद, प्रशासन द्वारा भीड़ की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि कोई अव्यवस्था न हो।

बिदुपुर सिक्सलेन पुल पर रील बनाते घायल युवक की मौत, इलाज के समय गई जान, 2 अन्य का ट्रीटमेंट जारी

हाजीपुर। वैशाली के कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्सलेन पुल पर शनिवार को रील बनाने के दौरान हुए एक हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक से स्टंट करते समय यह दुर्घटना हुई, जिसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मृतक की पहचान चकसिकंदर कल्याणपुर निवासी मनीष प्रसाद के पुत्र अनुराग प्रताप उर्फ नीरज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, युवक सिक्सलेन पुल पर बाइक से स्टंट कर रहे थे, तभी उनकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में अनुराग प्रताप उर्फ नीरज सहित तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान अनुराग प्रताप उर्फ नीरज ने दम तोड़ दिया। उसके साथ घायल हुए दो अन्य युवकों का इलाज अभी जारी है। युवक की मौत की खबर मिलते ही उसके परिजनों में शोक का माहौल है।

आदित्य कुमार करताहा के नए थानाध्यक्ष नियुक्त

हाजीपुर। वैशाली जिला के पुलिस अवर निरीक्षक आदित्य कुमार को करताहा थाना का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एसपी शुभांक मिश्रा ने उन्हें तत्काल नए पद पर योगदान देने का निर्देश दिया है। इससे पहले आदित्य कुमार बिदुपुर थाना की अनुसंधान इकाई में अपर थानाध्यक्ष के पद पर कार्यरत थे। करताहा थानाध्यक्ष का पद रिक्त होने के कारण एसपी ने आदित्य कुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी है। उनके पदस्थापन के बाद थाना क्षेत्र में लंबित मामलों के अनुसंधान और आपराधिक घटनाओं पर कार्रवाई में तेजी आने की उम्मीद है। यह पद 24 जुलाई को तत्कालीन थानाध्यक्ष कुणाल कुमार आजाद के निलंबन के बाद से खाली था। कुणाल कुमार आजाद को एक कांड के अनुसंधान के दौरान प्रथमदृष्टया संदिग्ध भूमिका पाए जाने के बाद निलंबित किया गया था। जांच में सामने आया था कि उन्होंने अनुसंधान के दौरान अपने कर्तव्यों का समुचित निर्वहन नहीं किया और मामले को प्रभावित करने का प्रयास किया। इन आरोपों के बाद एसपी ने उन पर कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया था। आदित्य कुमार को पुलिसिंग और अनुसंधान का व्यापक अनुभव है। बिदुपुर थाना में अपनी तैनाती के दौरान उन्होंने कई आपराधिक मामलों के सफल उद्भेदन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी सक्रियता से कई मामलों में पुलिस कार्रवाई और अनुसंधान को गति मिली थी। अब करताहा थाना की जिम्मेदारी मिलने के बाद उनके सामने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, लंबित कांडों का अनुसंधान पूरा करने और अपराध नियंत्रण की चुनौती होगी।

सम्राट सरकार के खिलाफ उतरे बिहार के 12,000 शिक्षक

एजेंसी, पटना

❑ **पटना यूनिवर्सिटी में लगाए सम्राट सरकार के खिलाफ नारे**

बिहार में 50 साल बाद यूनिवर्सिटी कानून बदलने वाला है। बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम के विरोध में प्रदेश के तमाम यूनिवर्सिटी और कॉलेजों के शिक्षक आज सामूहिक अवकाश पर हैं। राज्य के 481 सरकारी डिग्री कॉलेजों के 12 हजार से ज्यादा शिक्षक आज अपने-अपने यूनिवर्सिटी मुख्यालय पर प्रदर्शन कर रहे हैं। पटना यूनिवर्सिटी में भी सभी शिक्षक प्रदर्शन करने उतरे हैं। सभी टीचर्स बिहार सरकार मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने इस प्रदर्शन का आह्वान किया है।

पटना यूनिवर्सिटी शिक्षक संघ के अध्यक्ष शिवसागर ने कहा कि हम लोग पहले से ही धरना प्रदर्शन करते आ रहे हैं। बिहार विश्वविद्यालय एक्ट और पटना विश्वविद्यालय एक्ट को समाप्त किया जा रहा है। इसके विरोध में हमने पिछले दिनों चार दिन का मास कैजुअल लीव भी लिया था और मानव श्रृंखला भी बनाया था। हम लोग संघर्ष करने के लिए रोड पर उतरे हुए थे। इस विधेयक के खिलाफ शिक्षक, कर्मचारियों और छात्र तीनों विंग लगे हुए हैं। विश्वविद्यालय के स्वायत्ता को समाप्त करने पर जो प्रहार हो रहा है, इसके विरोध में हम लोग आज यहां एकजुट हुए हैं। अंतिम दम तक हम लोग पुरजोर कोशिश करेंगे कि इसको हम लोग लागू नहीं होने देंगे।

टीचर बोले- उच्च शिक्षा प्रणाली को नियंत्रण में रखना चाहती सरकारः शिक्षक डॉ सुधीर कुमार ने कहा कि बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम 2026 के विरोध में आज हम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की स्वायत्ता को समाप्त करने को लेकर सरकार साजिश रच रही है। सरकार चाहती है कि उच्च शिक्षा प्रणाली उनके नियंत्रण क्षेत्र में रहे। इससे शिक्षा की स्वतंत्रता और रिसर्च की परंपरा जो विश्वविद्यालय के अंदर है, वह प्रभावित होगी। सरकार रिसर्च और इनोवेशन कोअपने विचारधाराओं के प्रचार के एजेंट के रूप में इस्तेमाल करना चाहती है।

प्रदर्शन के बाद कुलपति को ज्ञापन सौंपेंगे प्रदर्शनकारीः पटना यूनिवर्सिटी के व्हीलर सीनेट हॉल में 1:30 बजे से प्रदर्शन चल रहा है। इस प्रदर्शन के बाद कुलपति को ज्ञापन सौंपेंगे, जिसमें प्रस्तावित अधिनियम को तत्काल निरस्त करने की सरकार को अनुशंसा करने के लिए मांग शामिल है। शिक्षकों का मानना है कि इस नए विधेयक के आने से यूनिवर्सिटी की स्वायत्तता समाप्त हो जाएगी। बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-1976 और पटना विश्वविद्यालय अधिनियम-1976 पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। इनकी जगह 'बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-2026' प्रभावी होगा। इससे पहले शिक्षकों ने 5 अगस्त से 8 अगस्त तक चरणबद्ध आंदोलन चलाया।

जंक्शन से लापता इलेक्ट्रिशियन महुआ में बेहोश मिला

एजेंसी, पटना

मोबाइल-बैग, कैश-लॉकेट सहित सारा सामान गायब, नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर सामान लूटने की आशंका

पटना जंक्शन से लापता हुए वैशाली के सहदेई बुजुर्ग निवासी इलेक्ट्रिशियन श्याम किशुन राय (45) महुआ में बेहोशी की हालत में मिले हैं। बताया जा रहा है कि नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर उन्हें बेहोश किया गया और उनका सारा सामान अज्ञात लोगों ने पार कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, पटना जंक्शन से निकलने के बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने उनसे दोस्ती की और घर तक छोड़ने की बात कहकर स्विफ्ट कार में बैठा लिया। रास्ते में कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद श्याम किशुन बेसुध हो गया। सुबह दोनों महुआ से पहले रानी पोखर के पास एक बगीचे में पड़े मिला। स्थानीय लोगों ने दोनों को लावारिस हालत में देखकर डायल-112 पर सूचना दी। इसके बाद महुआ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों के मुताबिक, श्याम किशुन की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन पर नशे का असर अभी भी है। उनका बैग, मोबाइल फोन और अन्य सामान गायब है।

श्याम किशुन शनिवार दोपहर करीब 1 बजे दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से पटना के लिए रवाना हुए थे। रात करीब 8 बजे तक परिजनों से उनकी बातचीत हुई थी। विक्रमशिला एक्सप्रेस रात 2:33 बजे पटना जंक्शन पहुंची। पटना जंक्शन के CCTV फुटेज में वह स्टेशन से निकलते और बैग-झोला लेकर जाते दिखाई दिए। करीब 3:10 बजे उन्हें आखिरी बार CCTV में देखा गया। इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। श्याम किशुन के मिलने के बाद परिजनों ने उसके लापता होने का खुलासा किया है। समधी धर्मनाथ राय ने बताया, 'पटना जंक्शन से निकलने के बाद श्याम किशुन की मुलाकात एक अज्ञात व्यक्ति से हुई थी। उसने कहा कि मेरी ड्यूटी पटना में है और घर महुआ में है।

समस्तीपुर-मधेपुरा में बारिश, 12 जिलों में अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून एक्टिव है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में पिछले कुछ दिनों से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने 12 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में करीब 40Kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। दोपहर बाद मधेपुरा और समस्तीपुर में जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक 12 अगस्त तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। उत्तर बिहार के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना है। 15 अगस्त के बाद प्रदेश में मौसम साफ होने की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार 9 अगस्त तक बिहार में कुल 369.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जबकि सामान्य बारिश का आंकड़ा 573.4 मिलीमीटर होना चाहिए था। इस तरह राज्य में अब तक बारिश 36 प्रतिशत कम हुई है। रविवार शाम को मुंगेर के हवेली खड़गपुर में मुसलाधार बारिश हुई। जिसके बाद कई इलाकों में जलजमाव हो गया। वहीं नेपाल के तराई इलाकों में हो रही लगातार बारिश ने गोपालगंज में बाढ़ का खतरा बढ़ा दिया है। दियारा क्षेत्र के दर्जनों गांवों में पानी घुस गया है, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। घरों, खेतों और सड़कों में पानी भरने से जनजीवन प्रभावित हो गया है।

मुजफ्फरपुर में शिवभक्तों पर हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश, देवघर में साढ़े 3 लाख कांवरिए पहुंचेंगे

एजेंसी, पटना

♦ **बेगूसराय में 2 किमी लंबी कतार, बिहार के मंदिर में भारी भीड़**

सावन का आज दूसरा सोमवार है। बिहार के शिवालयों में भक्तों की भीड़ है। हर-हर महादेव की गूंज है। मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर में आज स्थानीय और कांवरियों को मिलाकर 2 लाख लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। मंदिर के ऊपर हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश की गई है। वहीं भागलपुर के अजगैबीनाथ मंदिर, उत्तरवाहिनी गंगा और कांवरिया पथ समेत प्रमुख स्थलों पर भी हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश कर शिवभक्त कांवरियों का भव्य स्वागत किया गया।

बेगूसराय के हरिगिरीधाम गढ़पुरा में 2 किलोमीटर लंबी लाइन है। अहले सुबह से मंदिर में पूजा हो रही है। वहीं, भागलपुर के सुल्तानगंज से लेकर झारखंड के देवघर तक करीब 105 किलोमीटर तक सड़क केसरिया रंग के कपड़े पहने भक्तों से रंगा है। झारखंड के देवघर में कांवरियों की भारी भीड़ है। आज करीब साढ़े 3 लाख भक्तों के जलाभिषेक करने का अनुमान है। नालंदा में एक छोटा बच्चा मंदिर की सीढ़ियां चढ़ता नजर आया।

मुजफ्फरपुर में कांवरियों के आराम के लिए शिविर लगा हैः मुजफ्फरपुर में पहलेजा घाट से गंगाजल लेकर तुर्की, रामदयालु होते हुए बाबा गरीबनाथ धाम की ओर कांवरिए बढ़ रहे हैं। रास्ते में हर-हर महादेव और जय बाबा गरीबनाथ के जयकारों से पूरा इलाका गूंज रहा है। कई स्थानों पर कांवरिया शिविरों में रुक कर आराम कर रहे हैं। बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक का सिलसिला रविवार रात से ही शुरू हो चुका है। देर रात के बाद कांवरियों की कतार मंदिर की ओर बढ़ने लगी। स्थानीय श्रद्धालुओं के पहुंचने के साथ भीड़ और बढ़ने की संभावना है।

एनएचएआई के खिलाफ एफआईआर नहीं होने पर हाईवे किया जाम, नौबतपुर में धरने बैठा घायल

एजेंसी, पटना

❑ **पुलिस ने समझाया, नहीं माना तो उठाकर थाने ले गए**

पटना के नौबतपुर में रविवार शाम सड़क हादसे में घायल एक युवक ने NHAI के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं होने से नाराज होकर NH-139 को जाम कर दिया। युवक सड़क के बीचों-बीच बैठ गया और NHAI पर कार्रवाई के साथ अपनी शिकायत दर्ज करने की मांग करने लगा। करीब 100 मीटर दूर नौबतपुर थाने के पास हुए प्रदर्शन से हाईवे पर वाहनों का परिचालन ठप हो गया और दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसके नहीं मानने पर उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई।

तीन दिन पहले निर्माण स्थल पर हुआ था हादसाः नौबतपुर निवासी नीरज कुमार तीन दिन पहले रात में बाइक से नहरपुरा से नौबतपुर लौट रहे थे। नौबतपुर थाना के पास सड़क की ढलाई और मरम्मत का काम चल रहा था। नीरज के मुताबिक, निर्माण स्थल पर पर्याप्त रोशनी और सड़क सुरक्षा से जुड़े संकेत नहीं थे। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में नीरज घायल हो गए। इलाज कराने के बाद वह मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर नौबतपुर थाने पहुंचे। नीरज का आरोप है कि सड़क निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण हादसा हुआ। उन्होंने NHAI की लापरवाही बताते हुए उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए थाने में आवेदन देना चाहा, लेकिन पुलिस ने आवेदन लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद से वह कार्रवाई की मांग कर रहे थे। रविवार शाम जब उनकी शिकायत दर्ज नहीं हुई तो वह NH-139 के बीचों-बीच जाकर बैठ गए।

के समझाने के बाद भी नहीं हटेः युवक के हाईवे पर बैठने की सूचना मिलते ही नौबतपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने काफी देर तक उसे समझाने और सड़क से हटने के लिए कहा, लेकिन नीरज NHAI पर कार्रवाई और अपनी शिकायत दर्ज कराने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उन्हें हिरासत में ले लिया और थाने ले गई। प्रदर्शन के दौरान हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माणाधीन सड़कों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों की मांग है कि सड़क निर्माण और मरम्मत के दौरान पर्याप्त रोशनी, बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और अन्य जरूरी सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, ताकि रात में वाहन चालकों के साथ इस तरह के हादसे न हों।

पटना मेट्रो निर्माण के कारण चिड़ियाघर के पास ट्रैफिक बदला

एजेंसी, पटना

पटना में मेट्रो निर्माण के चलते चिड़ियाघर के पास करीब 200 मीटर हिस्से में सड़क की एक लेन से ही वाहनों का परिचालन हो रहा है। इससे पीक आवर में ट्रैफिक का दबाव बढ़ रहा है। पुलिस ने जाम की समस्या को देखते हुए सोमवार से सगुना मोड़ की ओर से आने वाले व्यावसायिक वाहनों के लिए नया डायवर्जन प्लान लागू किया है। राजाबाजार पुल के नीचे से आने वाले व्यावसायिक वाहनों को चिड़ियाघर पहुंचने से पहले डुमरा चौकी के पास डायवर्ट किया जाएगा। यहां से वाहन एयरपोर्ट के मुख्य गेट के सामने से पटेल गोलंबर और हार्डिंग रोड होते हुए आयकर गोलंबर या पटना जंक्शन की ओर जा सकेंगे।

कुछ व्यावसायिक वाहनों को चिड़ियाघर से पहले एलएनजेपी अस्पताल की ओर मोड़कर पुनाईचक की तरफ भेजा जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य चिड़ियाघर के पास बंद लेन पर वाहनों का दबाव कम करना है। चिड़ियाघर के पास सड़क की एक लेन बंद होने के कारण राजवंशी नगर स्थित हनुमान मंदिर के पास पीक आवर में जाम की स्थिति बन रही है। वाहनों की संख्या बढ़ने से यातायात प्रभावित हो रही है। इसी वजह से व्यावसायिक वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से भेजने का फैसला लिया गया है। यातायात पुलिस के अनुसार, मेट्रो का अगला निर्माण कार्य विकास भवन और विद्युत भवन के आसपास शुरू होना है।

बिहार में शराबबंदी को लेकर सियासी बहस तेज

एजेंसी, पटना

बिहार में शराबबंदी कानून को लेकर एक बार फिर सियासी बहस तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार में लागू शराबबंदी कानून की समीक्षा करने की मांग की है। उनके बयान के बाद राज्य की राजनीति में शराबबंदी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इस पर मंत्री सुनील कुमार ने कहा, 'बिहार में फिलहाल शराबबंदी कानून पूरी तरह लागू है और सरकार इसे लेकर अपने रुख पर कायम है।'

सरकार की ओर से कहा गया कि शराब के अवैध कारोबार और सेवन के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। अवैध शराब से जुड़े मामलों में गिरफ्तारी के साथ मुकदमे की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। मामलों में ट्रायल चल रहे हैं और दोष सिद्ध होने पर कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार का कहना है कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जा रही है। पुलिस और प्रशासन को अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। हाल में हुई एक आपराधिक घटना को लेकर भी सरकार ने इसे बेहद निंदनीय बताया। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। सरकार ने कहा कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने घटना को लेकर पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना भी जताई और भरोसा दिलाया कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

पटना में एआई वाले 19 ई-स्कूटर रखेंगे शहर पर नजर

एजेंसी, पटना

❑ **'नगर नेत्रा' पकड़ेगा गड्ढे, कचरा और अतिक्रमण समेत 7 समस्याएं, कैमरे से रिकॉर्ड होगा शहर का हाल**

शहर की सफाई, सड़कों और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पटना में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। पटना स्मार्ट सिटी की ओर से सिविक सर्विसेज सर्विलांस एंड मॉनिटरिंग प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। नगर विकास विभाग ने इसकी मंजूरी दे दी है। पटना में सफलता मिलने के बाद इसे बिहारशरीफ, मुजफ्फरपुर, भागलपुर समेत राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में भी लागू करने की योजना है। पटना नगर निगम के 75 वार्डों में निगरानी के लिए करीब 19 AI आधारित ई-स्कूटर तैनात किए जाएंगे। लगभग हर चार वार्ड पर एक ई-स्कूटर की जिम्मेदारी होगी। इनका नाम 'नगर नेत्रा' रखा गया है। एजेंसी का चयन सितंबर तक किए जाने की योजना है। ये ई-स्कूटर लगातार शहर की सड़कों और गलियों में घूमकर नागरिक सुविधाओं की स्थिति की निगरानी करेंगे।

कैमरे से रिकॉर्ड होगा शहर का हालः 'नगर नेत्रा' में स्मार्ट डैशकैम और GPS लगाया जाएगा। कैमरे 4K वीडियो रिकॉर्डिंग और 110 डिग्री वाइड एंगल से सड़क की तस्वीर रिकॉर्ड करेंगे। AI और मशीन लर्निंग तकनीक इन तस्वीरों और वीडियो का विश्लेषण करेगी। इससे अधिकारियों को शहर की समस्याओं की जानकारी रियल टाइम में मिल सकेगी। AI सिस्टम सड़क पर फैले कचरे, गंदी सड़क, टूटे या खुले मैनहोल, गड्ढे, खराब स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण-अवैध कब्जे, आवारा मवेशी और अवैध होर्डिंग्स जैसी समस्याओं की पहचान करेगा।

ICCC में बनेगा सेंट्रल ऑपरेशंस सेंटरः गांधी मैदान स्थित एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर (ICCC) में सेंट्रल सिविक सर्विसेज ऑपरेशंस सेंटर बनाया जाएगा। ई-स्कूटर और अन्य कैमरों से मिलने वाला लाइव डेटा यहां पहुंचेगा। AI के जरिए विश्लेषण के बाद किसी समस्या की पहचान होने पर संबंधित विभाग और अधिकारी को मोबाइल ऐप के माध्यम से तुरंत अलर्ट भेजा जाएगा।

हर वार्ड की सप्ताह में दो बार होगी निगरानीः योजना के तहत पटना के प्रत्येक वार्ड की सड़कों की सप्ताह में दो बार स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके लिए वार्डवार टाइमटेबल तैयार किया जाएगा। इससे यह भी पता लगाया जा सकेगा कि किसी इलाके में समस्या कितने समय से मौजूद है और उसके समाधान के लिए संबंधित विभाग ने क्या कार्रवाई की। 'नगर नेत्रा' में 3 किलोवाट प्रति घंटे क्षमता की लिथियम-आयन बैटरी इस्तेमाल की जाएगी। एक बार चार्ज होने पर ई-स्कूटर 100 किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर सकेंगे। इनके लिए ICCC या अन्य निर्धारित स्थानों पर अलग चार्जिंग हब भी बनाए जाएंगे। इस परियोजना से नगर निगम को शहर की समस्याओं की जानकारी तेजी से मिलने के साथ अधिकारियों की जवाबदेही तय करने में भी मदद मिलेगी। पटना में प्रोजेक्ट सफल होने के बाद इसी मॉडल को बिहारशरीफ, मुजफ्फरपुर, भागलपुर समेत बिहार के अन्य प्रमुख शहरों में लागू करने की तैयारी है।

संक्षिप्त समाचार

पार्वती तिवारी की पहलः भरतमही में 100 छात्राओं को मिले छाते, बेटियों के सपनों को मिली नई उड़ान

बीएनएम@ रक्सौल। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भरतमही में सोमवार को काली सेना की राष्ट्रीय प्रमुख पार्वती तिवारी के नेतृत्व में छात्राओं के बीच छाता वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। काली सेना की बहनों के सहयोग से आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में करीब 100 छात्राओं को छाते वितरित किए गए। छाता पाकर छात्राओं के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। इस अवसर पर काली सेना की राष्ट्रीय प्रमुख पार्वती तिवारी ने कहा कि किसी के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़ा काम करना जरूरी नहीं है। कभी-कभी छोटी-सी मदद भी किसी के सफर को आसान बना देती है। उन्होंने कहा कि संस्था का प्रयास है कि जरूरतमंद बेटियों को ऐसा सहयोग मिले, जिससे वे धूप और बारिश की चिंता किए बिना विद्यालय पहुंच सकें और अपने सपनों की ओर आगे बढ़ती रहें। विद्यालय के प्रधानाध्यापक छोटे लाल राय ने काली सेना की पहल की सराहना करते हुए कहा कि छात्राओं के बीच छाता वितरण उनकी व्यावहारिक जरूरत पूरी करने के साथ ही बेटियों के प्रति समाज की संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का संदेश देता है। उन्होंने काली सेना की पूरी टीम के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं अमरान अंसारी, मंज़र हुसैन, मृत्युंजय कुमारी गिरी, रूही प्रिया और शिल्पा कुमारी की उपस्थिति रही। छाता प्राप्त करने वाली छात्राओं में प्रिया कुमारी, अंजू कुमारी, सुमि कुमारी, खुशी कुमारी, निभा कुमारी, नीलम कुमारी, प्रिया तिवारी, सुजन कुमारी, कोमल कुमारी और शबनम खातून सहित करीब 100 छात्राएं शामिल रहीं। इस दौरान काली सेना की राष्ट्रीय टीम की हीरा देवी, पूर्णिमा देवी, नीलू देवी, असमा खातून, रामकली देवी, तोता देवी, हेवंती देवी और रिंकी देवी सहित अन्य सदस्य तथा समाजसेवी आर्यन तिवारी मौजूद रहे। लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 ई के जोनल चेयरपर्सन सह डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन एवं भारत विकास परिषद रक्सौल के सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी तथा सामाजिक कार्यकर्ता बिमल सर्राफ ने अपने बधाई संदेश में कहा कि काली सेना के गठन के उद्देश्यों का असर अब धरातल पर दिखाई दे रहा है और महिलाएं स्वावलंबी बन रही हैं। उन्होंने काली सेना को हरसंभव सहयोग देने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम ने नारी शक्ति, सेवा भावना और बालिका शिक्षा के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश दिया। छात्राओं को छाता देकर उन्हें धूप और बारिश से बचाव का साधन देने के साथ यह भरोसा भी दिया गया कि उनके सपनों की राह में समाज उनके साथ खड़ा है।

डॉ. खालिद अनवर के अल्पसंख्यक कल्याण समिति के सभापति बनने पर रामगढ़वा में भव्य अभिनंदन

दो स्थानों पर आयोजित हुआ स्वागत समारोह, नेताओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाएं

बीएनएम@ रामगढ़वा। विजय कुमार। बिहार विधान परिषद के सदस्य डॉ. खालिद अनवर को बिहार विधान परिषद की अल्पसंख्यक कल्याण समिति का सभापति मनोनीत किए जाने पर रविवार देर रात रामगढ़वा प्रखंड में दो अलग-अलग स्थानों पर भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल बिहार उर्दू शिक्षक संघ के नेता अमानुल्लाह उर्फ मुन्ना ने की। पहला समारोह स्थानीय मदरसा फलाहुल मुस्लिमीन परिसर में आयोजित हुआ। इस दौरान प्रमुख पति विशाल गुप्ता, ढाका जदयू प्रखंड अध्यक्ष अंसारुल हक, रामगढ़वा जदयू प्रखंड अध्यक्ष बबलू साह, मुफ्ती जियाउल हक कासमी, अरशद अली मुन्ना, प्रो. फखरुद्दीन अली, मुहम्मद तुफैल, अरुण कुमार और अकील अहमद सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने डॉ. खालिद अनवर को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद अधकपरिया पंचायत स्थित अली पब्लिक स्कूल परिसर में भी उनका भव्य स्वागत किया गया। पंचायत के मुखिया पति शेख मैनुद्दीन, पूर्व मुखिया इरशाद, अताउर रहमान, अब्दुल बारी और शिबली मास्टर सहित अन्य गणमान्य लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. खालिद अनवर ने दोनों कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए वे पार्टी नेतृत्व और जनता के प्रति आभारी हैं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समाज के साथ-साथ राज्य के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास एवं उत्थान के लिए पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. खालिद अनवर के मनोनयन से क्षेत्र के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। साथ ही अल्पसंख्यक समाज के कल्याण की दिशा में भी प्रभावी पहल को बल मिलेगा। समारोह के अंत में उपस्थित लोगों ने उन्हें पुनः बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पाँच लाख रुद्राक्ष से निर्मित गोल्ड प्लेटेड शिवलिंग बना आस्था का केंद्र, श्रावण की दूसरी सोमवारी पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

बीएनएम@ मोतिहारी

श्रावण मास की दूसरी सोमवारी और प्रदोष व्रत के पावन संयोग पर मनोकामना सिद्ध हनुमान आश्रम में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। आश्रम में स्थापित विश्व का पहला पाँच लाख रुद्राक्ष से निर्मित गोल्ड प्लेटेड शिवलिंग श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु आश्रम पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक व रुद्राभिषेक कर मनोकामना की। मान्यता है कि रुद्राक्ष को साक्षात भगवान शिव का स्वरूप माना गया है। ऐसे में पाँच लाख रुद्राक्ष से निर्मित इस अद्वितीय शिवलिंग पर जल अर्पित करने और रुद्राभिषेक करने का विशेष धार्मिक महत्व बताया जाता है। आश्रम से जुड़े लोगों के अनुसार, इस शिवलिंग पर एक बार जलाभिषेक अथवा रुद्राभिषेक करने से चार लाख रुद्राभिषेक के बराबर पुण्यफल प्राप्त होता है। मनोकामना सिद्ध हनुमान आश्रम में स्थापित इस शिवलिंग पर पिछले पाँच वर्षों से लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक और पूजा-अर्चना कर चुके हैं। विशेष बात यह है कि यहां श्रद्धालुओं के लिए स्वयं शिवलिंग पर पूजा करने, जलाभिषेक तथा रुद्राभिषेक करने की व्यवस्था उपलब्ध है। यही कारण है कि श्रावण मास में यहां भक्तों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। श्रावण की दूसरी सोमवारी के साथ प्रदोष का संयोग होने से इस दिन का धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। आचार्य डॉ. शम्भुनाथ सीकरीया ने श्रद्धालुओं से भगवान शिव एवं माता पार्वती की श्रद्धापूर्वक आराधना करने की अपील की। उन्होंने कहा कि माताएं एवं बहनें शिव-पार्वती का व्रत रखें तथा मंगलवार को मां मंगला गौरी की पूजा करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार इससे मनोवांछित फल एवं अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। आचार्य डॉ. शम्भुनाथ सीकरीया के नेतृत्व में श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को सुबह 8 बजे निर्धारित समय पर निःशुल्क रुद्राभिषेक कराया जा रहा है। श्रद्धालु चाहें तो अपनी पूजन सामग्री साथ ला सकते हैं। वहीं आश्रम में हरिद्वार का गंगाजल एवं बेलपत्र भी उपलब्ध कराया जाता है। जो श्रद्धालु अपने निजी पंडित से रुद्राभिषेक कराना चाहते हैं, उनके लिए भी आश्रम में निःशुल्क स्थान एवं समय आरक्षित कराने की व्यवस्था है। आचार्य डॉ. शम्भुनाथ सीकरीया ने कहा कि वर्तमान समय ग्रहों के विशेष प्रभाव का दौर है। ऐसे समय में राष्ट्रहित और व्यक्तिगत कल्याण के लिए लोगों को श्रद्धा एवं संयम के साथ भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से ब्रह्मचर्य एवं सात्विक जीवन का पालन करने तथा माताओं-बहनों से व्रत रखकर भगवान शिव की आराधना करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धा, संयम और शिव आराधना का यह प्रयास व्यक्ति के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के कल्याण में भी सहायक बनेगा। श्रावण की दूसरी सोमवारी पर आश्रम परिसर में पूरे दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। हाथों में गंगाजल, बेलपत्र और पूजन सामग्री लिए श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए पहुंचते रहे। हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा परिसर गुंजायमान रहा।

एमजीसीयू के अंग्रेजी विभाग के 13 विद्यार्थियों का बीएसयूएससी में सहायक प्राध्यापक पद पर चयन

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी के अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों एवं पूर्व विद्यार्थियों ने बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (BSUSC) द्वारा हाल ही में आयोजित अंग्रेजी विषय में सहायक प्राध्यापक पदों की भर्ती प्रक्रिया में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इन चयनित अभ्यर्थियों की सफलता विभाग की अकादमिक उत्कृष्टता और निरंतर प्रयासों को प्रतिबिंबित करती है। चयनित अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के विभिन्न अकादमिक स्तरों और बैचों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पीएच.डी. उपाधि प्राप्त चयनित अभ्यर्थियों में डॉ. महिमा कश्यप, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. रितेश कुमार सिंह और डॉ. राहुल मिश्रा शामिल हैं। एम.ए. अंग्रेजी के पूर्व विद्यार्थियों में से ज्योत्सना प्रियम और संदीप कुमार का चयन हुआ है। विभाग के स्नातक स्तर के पूर्व विद्यार्थी सौरभ सिंह, शुभम कुमार और सोनाली कुमारी ने भी सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्ति प्राप्त की है। विभाग को अपने वर्तमान में पंजीकृत शोधार्थियों की सफलता पर भी गर्व है। जाह्नवी, पल्लवी, श्वेता सिंह और हर्ष आनंद का भी इस प्रतिष्ठित भर्ती प्रक्रिया में सहायक प्राध्यापक पद पर चयन हुआ है। यह उपलब्धि विभाग की अकादमिक उत्कृष्टता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण तथा शोधपरक अधिगम के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। साथ ही, यह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सक्षम विद्वानों और शिक्षकों को तैयार करने में विश्वविद्यालय की बढ़ती प्रतिष्ठा को भी दर्शाती है। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव, विभाग के शिक्षकगण, विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने सफल अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल अकादमिक भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उनकी यह उपलब्धि विभाग के वर्तमान एवं भावी विद्यार्थियों को शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी।

विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर लिया स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित भविष्य का संकल्प

बीएनएम@ मोतिहारी

चंदरहिया स्थित दी गुरुकुलम स्कूल में मोतिहारी वन प्रमंडल के सहयोग से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन के उद्देश्य से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 'पर्यावरण की पाठशाला सह पौधारोपण कार्यक्रम' आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. कमलेश कुमार ने कहा कि पेड़ केवल ऑक्सीजन प्रदान करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जल, मिट्टी, जैव विविधता और मानव जीवन के संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पेड़-पौधे तापमान को नियंत्रित करने, वर्षा चक्र को बनाए रखने और प्रदूषण कम करने में सहायक हैं। डॉ. स्नेहा एस. चौरसिया ने प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी विद्यार्थियों को दी। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक मिट्टी, जलस्रोतों और जीव-जंतुओं के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करने और पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने की अपील की। सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार ने जलवायु परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लगातार बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा तथा एक ही क्षेत्र में बाढ़ और सूखे जैसी परिस्थितियों का उत्पन्न होना प्राकृतिक असंतुलन के गंभीर संकेत हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। विद्यालय के निदेशक अभिषेक कुमार और प्राचार्य पिंकी राय ने पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धरती पर मौजूद प्रत्येक जीव-प्रजाति पर्यावरणीय संतुलन की महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रबंधक सुभेन्दु कुमार ने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण वर्तमान के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन देवर्ति बनर्जी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। मौके पर नीरज कुमार, प्रियांशु और गोलक मंडल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वन्दे मातरम् के सामूहिक गायन से गूंजा रक्सौल, राष्ट्रभक्ति के जोश से सराबोर हुआ माहौल

नटराज सेवा संगम कार्यालय में हुआ संगीतमय आयोजन, भारत माता और बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय के तैलचित्र पर अर्पित की गई पुष्पांजलि

बीएनएम@ रक्सौल

राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को भारत विकास परिषद, शाखा-रक्सौल के तत्वावधान में पोस्ट ऑफिस रोड स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर परिसर के नटराज सेवा संगम कार्यालय में सामूहिक वन्दे मातरम् गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगीतमय आयोजन में राष्ट्रभक्ति के गीतों से पूरा परिसर गूंज उठा और उपस्थित लोगों में देशप्रेम का जोश व उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता एवं राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' के रचयिता बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। सुप्रसिद्ध संगीत गुरु संजय कुमार दास के संगीत संयोजन तथा श्रीराम-जानकी म्यूजिकल ग्रुप की व्यास सह-संचालिका जूही राज के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राओं, भारत विकास परिषद के सदस्यों, नटराज सेवा संगम के कलाकारों तथा शहर के गणमान्य नागरिकों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गायन किया। नटराज सेवा संगम के कलाकार धीरज कुमार के निर्देशन में एक छात्रा को भारत माता और एक विद्यार्थी को स्वामी विवेकानंद का स्वरूप प्रदान किया गया, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। भारत विकास परिषद रक्सौल शाखा के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी एवं कार्यक्रम संयोजक अजय कुमार ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के दिशा-निर्देश के आलोक में 9 से 17 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें सामूहिक वन्दे मातरम् गायन, वन्दे मातरम् आधारित प्रदर्शनी, तिरंगा रैली, 'सेल्फी विद तिरंगा' और तिरंगा रंगोली सहित कई आयोजन शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। परिषद के सचिव नरेश कुमार एवं सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ ने कहा कि भारत विकास परिषद सामाजिक सरोकारों के साथ युवा पीढ़ी में भारतीय संस्कृति, संस्कार, अनुशासन और देशप्रेम की भावना विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। परिषद के संरक्षक भरत प्रसाद गुप्त एवं अवधेश सिंह ने कहा कि सामूहिक गायन के माध्यम से नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में श्रीराम-जानकी म्यूजिकल ग्रुप की संचालिका व्यास जूही राज एवं संगीत गुरु संजय दास को अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मौके पर परिषद के संरक्षक भरत प्रसाद गुप्त, अवधेश सिंह, योगेंद्र प्रसाद, नरेश कुमार, सुनील कुमार, अजय कुमार, दिनेश प्रसाद, विनोद कुमार, अरविंद जायसवाल, विवेक कुमार चौरसिया, धर्मनाथ प्रसाद, शरद सर्राफ, पन्नालाल प्रसाद, अंकेश्वर सर्राफ, नटराज सेवा संगम के धीरज कुमार, राजेश आर्य, सुरेश कुमार, बलराम प्रसाद, पूरन पटेल, सरस्वती विद्या मंदिर के आचार्य-आचार्या एवं छात्राएं तथा कलवार कल्याण समिति रक्सौल के अखिलेश कुमार गुप्ता और नीरज गुप्ता सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी भारत विकास परिषद के सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ ने दी।

शिव प्रसाद साहू के काव्य-संग्रह 'काव्यकाश' का लोकार्पण

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के मानविकी एवं भाषा संकाय की ओर से कवि शिव प्रसाद साहू के काव्य-संग्रह 'काव्यकाश' का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आमंत्रित अतिथियों के स्वागत से हुई। इस अवसर पर कवि शिव प्रसाद साहू को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. राजेंद्र बडगूजर ने की। उन्होंने कहा कि 'काव्यकाश' चंपारण की साहित्यिक चेतना के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है। आने वाली पीढ़ियां इस कृति पर गर्व करेंगी। उन्होंने कवि को साहित्यिक अभिव्यक्ति के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बिमलेश कुमार सिंह ने कवि के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें सहज, सरल और आत्मीय व्यक्तित्व का धनी बताया। संस्कृत विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. श्याम झा ने कवि की कृतियों की सराहना करते हुए उनके दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। सामाजिक विज्ञान के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. सुनील महावर ने काव्य-संग्रह की विषयवस्तु एवं काव्यगत संवेदना की सराहना करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि "शिव प्रसाद साहू की कविताओं में भाव है, किंतु वह विचार की उंगली पकड़कर चलती है।" उन्होंने संग्रह के संवेदनात्मक एवं वैचारिक पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो. श्याम कुमार झा ने भी कवि को कृति के लिए बधाई देते हुए कहा कि ये कविताएं पाठकों के बीच अकादमिक परिवेश का सृजन करेंगी। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आशा मीणा, डॉ. गरिमा तिवारी एवं डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा, संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विश्वजीत बर्मन सहित हिंदी विभाग के शोधार्थियों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के शोधार्थी शिवम कुमार सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन धनंजय उदय ने किया।

पूर्वी चम्पारण के 4.69 लाख पेंशनधारियों के खातों में पहुंची 53.42 करोड़ की पेंशन

जुलाई माह की पेंशन राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक खातों में अंतरित, जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पटना से आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश की छह प्रमुख सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए अंतरित की गई। इसी क्रम में पूर्वी चम्पारण समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा (एडीएसएस) सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। जिले के कुल 4,69,881 सक्रिय पेंशनधारियों के बैंक खातों में जुलाई 2026 की कुल 53 करोड़ 42 लाख 29 हजार 800 की पेंशन राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। योजना के अनुसार जिले में वृद्धजन पेंशन के तहत मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के 3,75,754 लाभार्थियों के खातों में 42 करोड़ 55 लाख 88 हजार 700 अंतरित किए गए। वहीं, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के तहत 51,584 लाभार्थियों को 6 करोड़ 10 लाख 76 हजार 100 की राशि मिली। दिव्यांग पेंशन के तहत बिहार निःशक्तता पेंशन एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना के 42,543 लाभार्थियों के खातों में 4 करोड़ 75 लाख 65 हजार की राशि भेजी गई। इस प्रकार जिले के कुल 4,69,881 पेंशनधारियों को जुलाई माह की 53,42,29,800 की पेंशन राशि का भुगतान किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्गों—वृद्धजनों, विधवाओं एवं दिव्यांगजनों—तक पेंशन का लाभ पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ सुचारू रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

अंश कुमार ने स्वर्ण पदक पर जमाया कब्जा

दो रजत व चार कांस्य पदक भी झाझा की झोली में

बीएनएम@ जमुई/झाझा। मोतिहारी के रघुनाथपुर स्थित आर्य विद्यापीठ में आयोजित 36वीं बिहार राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026-27 एवं 9 वीं पुमसे ताइक्वांडो चैंपियनशिप में झाझा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया। 7 से 9 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में द चैंपियन क्लब एंड स्पीड ताइक्वांडो एकेडमी के खिलाड़ियों ने अलग-अलग आयु वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सब-जूनियर बालक वर्ग में अंश कुमार ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इसी वर्ग में आकाश कुमार और विवेकानंद कुमार ने रजत पदक जीते। कैडेट बालिका वर्ग में नव्या कुमारी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। जूनियर बालिका वर्ग में कोमल कुमारी और प्रतिज्ञा रानी ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं सीनियर बालक वर्ग में पिंटू सोरेन ने कांस्य पदक जीतकर प्रतियोगिता में झाझा की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। कोच अमरदेव कुमार तांती ने कहा कि खिलाड़ियों ने नियमित अभ्यास, अनुशासन और बेहतर तकनीक के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। प्रतियोगिता से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है और आगे राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। सात पदक मिलने पर एकेडमी परिवार और स्थानीय खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी। लोगों ने कहा कि झाझा में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं मिलें तो वे बड़े मंच पर भी जिले का नाम रोशन कर सकते हैं।

पीडीएस दुकानों की जांच की मांग, लाभुकों ने उठाए सवाल

बीएनएम@ गयाजी। बोधगया प्रखंड के विभिन्न गांवों में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि राशन वितरण में व्यापक अनियमितता बरती जा रही है और पात्र लाभुकों को निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न दिया जा रहा है।राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत मिलने वाले राशन में कटौती की चर्चा से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने अनुमंडल पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी और गया जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि सरकार द्वारा गरीबों के लिए भेजे जाने वाले खाद्यान्न में पारदर्शिता सुनिश्चित हो तथा गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि लाभुकों को उनका पूरा हक मिल सके।

बोलबम यात्रा से लौटते ही हुई मौत

बीएनएम@ जमुई/झाझा। सावन में बाबा भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए बोलबम यात्रा पर निकले चांय गांव निवासी 25 वर्षीय संतोष कुमार की घर लौटने के बाद अचानक मौत हो गई। उसकी मौत से परिवार में मातम पसरा है। संतोष अपने माता-पिता का एकलौता पुत्र और दो बच्चों का पिता था। बताया जाता है कि शुक्रवार को संतोष बोलबम यात्रा के लिए निकला था। सुइया मार्ग में उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। इसके बाद उसे इलाज के लिए जमुई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार को इलाज के बाद परिजन उसे घर लेकर पहुंचे। घर पहुंचते ही अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।

सरदार पटेल की आदमकद प्रतिमा का अनावरण 16 को

सम्राट चौधरी के हाथों अनावरण प्रस्तावित

बीएनएम@ जमुई/झाझा। लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जमुई जिले में स्थापित पहली आदमकद प्रतिमा का भव्य अनावरण 16 अगस्त को सुबह 10:30 बजे झाझा में होगा। अनावरण सीएम सम्राट चौधरी के कर-कमलों से प्रस्तावित है। इस आयोजन को झाझा समेत पूरे जमुई जिले के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर बताया जा रहा है। समारोह में बिहार सरकार के कई मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग शामिल हो सकते हैं। जिला परिषद प्रतिनिधि राकेश कुमार सिंह ने कहा कि यह सिर्फ प्रतिमा का अनावरण नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के महान शिल्पकार सरदार पटेल के योगदान के प्रति सम्मान है।

ऑटो पलटा, तीन श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल

बीएनएम@ जमुई। सोमवार को सिकंदरा नवादा मुख्य मार्ग पर पचमहुआ पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में ऑटो पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि सभी घायल कुमार मां नेतुला मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद ऑटो से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पचमहुआ पेट्रोल पंप के समीप तेज गति के कारण ऑटो चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। घायलों की पहचान जमुई थाना क्षेत्र के सनकुड़हा गांव निवासी मुन्नी देवी, मनीषा कुमारी, तथा कन्हैया सिंह, के रूप में की गई है।

बिहार में शराबबंदी पर फिर गरमाई सियासत

» मांझी ने उठाई गुजरात मॉडल की मांग
» मंत्री सुनील कुमार बोले- कानून पहले से लागू

बीएनएम@ पटना। बिहार में शराबबंदी कानून को लेकर एक बार फिर सियासी बहस तेज हो गई है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने शराबबंदी को और प्रभावी बनाने के लिए बिहार में गुजरात मॉडल अपनाने की मांग की है। 10 अगस्त को दिए बयान में मांझी ने कहा कि नशाबंदी की मंशा सही है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में कहीं-कहीं पुलिस और प्रशासन के स्तर पर कमियां सामने आती हैं। मांझी ने कहा कि बिहार में शराबबंदी के मौजूदा ढांचे को और मजबूत किए जाने की जरूरत है। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि महात्मा गांधी की जन्मभूमि गुजरात में भी शराबबंदी लागू है। ऐसे में बिहार में भी इसे और प्रभावी एवं सख्ती से लागू किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की अपील की। मांझी का कहना है कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका जमीन पर प्रभावी तरीके से पालन भी जरूरी है। उनके इस बयान के बाद शराबबंदी का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है।हालांकि, मांझी की मांग पर बिहार सरकार के मंत्री सुनील कुमार ने अलग रुख जाहिर किया। उन्होंने कहा कि गुजरात मॉडल लागू करने की बात मांझी की निजी राय हो सकती है। बिहार में पहले से ही शराबबंदी कानून लागू है और सरकार का रुख इसे जारी रखने का है।वहीं, बिहार में अपराध की घटनाओं को लेकर विपक्ष के सवालों पर सुनील कुमार ने सरकार का बचाव किया। उन्होंने कहा कि अपराध की घटनाओं पर पुलिस कार्रवाई कर रही है और जिन मामलों में घटनाएं हुई हैं, उनमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।

दूसरी सोमवारी पर बाबा सोमेश्वरनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

'हर-हर महादेव' और 'बोल-बम' के जयघोष से गूंजा अरेराज, पार्वती पोखर में डूबने से अज्ञात युवक की मौत

बीएनएम@ अरेराज

पवित्र श्रावण मास की दूसरी सोमवारी पर उत्तर बिहार के प्रसिद्ध बाबा सोमेश्वरनाथ धाम अरेराज में श्रद्धा और भक्ति का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ब्रह्म मुहूर्त से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। दिन चढ़ने के साथ अरेराज नगर और मंदिर परिसर भक्तों से पट गया। 'हर-हर महादेव', 'जय बाबा सोमेश्वरनाथ' और 'बोल-बम' के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान सहित उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों के अलावा पड़ोसी देश नेपाल से भी बड़ी संख्या में कांवड़िये और श्रद्धालु बाबा के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए पहुंचे। गेरुआ वस्त्रों में कांवड़ियों के जत्थे अहले सुबह से ही मंदिर की ओर बढ़ते दिखाई दिए। भीषण गर्मी और उमस के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए गर्भगृह में अरघा के माध्यम से जल अर्पित कराया गया। भक्तों ने बाबा सोमेश्वरनाथ का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। श्री सोमेश्वरनाथ धाम अरेराज मठ के पीठाधीश्वर एवं जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि जी महाराज के सानिध्य में बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक और महाआरती हुई।

पार्वती पोखर में डूबने से अज्ञात युवक की मौत- दूसरी सोमवारी के दौरान अरेराज में एक दुखद घटना भी हुई। पार्वती पोखर में स्नान करने के दौरान एक अज्ञात युवक डूब गया। श्रद्धालुओं की मदद से उसे पोखर से बाहर निकालकर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलने पर एसडीओ, डीएसपी, सीओ और थानाध्यक्ष अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक की पहचान के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

निकास मार्ग पर अव्यवस्था से श्रद्धालु परेशान- मंदिर के निकास द्वार से पार्वती पोखर की ओर जाने वाले मार्ग पर भिक्षुकों और सपेरों के जमावड़े के कारण श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। भारी भीड़ के बीच मार्ग पर अव्यवस्था से लोगों को निकलने में काफी दिक्कत हुई।

चप्पे-चप्पे पर प्रशासन की नजर- लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। अरेराज एसडीओ अंजली कुमारी एवं एसडीपीओ रवि कुमार ने स्वयं मौके पर मौजूद रहकर सुरक्षा और विधि-व्यवस्था की कमान संभाली। अधिकारियों ने मंदिर परिसर, गर्भगृह, प्रवेश एवं निकास मार्ग, श्रद्धालुओं की कतार और मेला क्षेत्र का लगातार निरीक्षण किया। अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी और बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। सुरक्षा के लिए क्षेत्र को अलग-अलग जोन में बांटकर दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल की तैनाती की गई थी। भीड़ की निगरानी सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से की गई। प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल, छायादार शेड और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की भी व्यवस्था की गई थी। प्रशासनिक तैयारियों और मठ प्रबंधन के सहयोग से दूसरी सोमवारी का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

पटोरी में नशे के बड़े नेटवर्क पर पुलिस का शिकंजा

» 48 किलो गांजा व हेरोइन बरामद, तीन महिलाएं गिरफ्तार

चार बाइक, छह मोबाइल, 1.30 लाख नकद और 12 हजार मादक पदार्थ की डिबिया जब्त

बीएनएम@ समस्तीपुर

नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री और तस्करी के खिलाफ पटोरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शाहपुर पटोरी थाना क्षेत्र के अशरफपुर सुपौल गांव में छापेमारी की। पुलिस की इस कार्रवाई में 48.14 किलोग्राम गांजा और करीब 15 लाख रुपये मूल्य की हेरोइन, 1.30 लाख रुपये नकद, छह मोबाइल फोन, चार मोटरसाइकिल, 12 हजार दर्द निवारक गोलियां और नशीले पदार्थों का वजन करने वाली मशीन बरामद की गई। मामले में पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में पटोरी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार मेधावी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अशरफपुर सुपौल गांव में दीपक कुमार साह, टुनटुन उर्फ संजीव कुमार साह और उनके परिजनों द्वारा बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना से वरीय अधिकारियों को अवगत कराने के बाद उसका सत्यापन कराया गया और एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने मजिस्ट्रेट एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी की मौजूदगी में दीपक कुमार साह और टुनटुन कुमार साह के घरों पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 17 पैकेट समेत कई बोरों में रखा कुल 48.14 किलो गांजा बरामद किया, जिसका बाजार कीमत 65 लाख बताई गई है। वहीं, हेरोइन के तीन पैकेट भी मिले, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने गुड़िया कुमारी, कंचन कुमारी और कविता कुमारी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में तीनों के मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री और तस्करी से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। पूछताछ के आधार पर पुलिस को नशे के कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और अंतरजिला नेटवर्क के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुराग मिलने की बात कही गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नशीले पदार्थों की बिक्री से संबंधित बताए गए 1.30 लाख रुपये नकद, छह मोबाइल फोन, चार मोटरसाइकिल, 23 पैकेट में रखी 12 हजार दर्द निवारक गोलियां तथा वजन करने वाली मशीन भी जब्त की है। इस संबंध में पटोरी थाना कांड संख्या 277/26 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। एसडीपीओ वीरेंद्र कुमार मेधावी ने स्पष्ट किया कि मामले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि नशे के इस नेटवर्क से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए पुलिस कार्रवाई जारी है। छापेमारी टीम में पटोरी थानाध्यक्ष अनिल कुमार, पुलिस पदाधिकारी अंशु सिंह, सुधांशु शेखर, दीपक कुमार, एसआई अमर नारायण सिंह सहित पटोरी थाना के पुलिस बल शामिल थे।

दांगी जाति के पात्र सदस्यों को जाति प्रमाण-पत्र निर्गत करने का निर्देश

दांगी जाति का प्रमाण पर बनाने के लिये डीएम ने की विशेष समीक्षा

बीएनएम@ गयाजी

गया समाहरणालय सभागार में डीएम शशांक शुभंकर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी अंचलाधिकारियों, बीडीओ और कल्याण पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने दांगी जाति के पात्र आवेदकों को जाति प्रमाण-पत्र निर्गत करने में आ रही अड़चनों को दूर करने के लिए कड़े निर्देश दिए।डीएम ने सामान्य प्रशासन विभाग के आलोक में स्पष्ट किया कि खतियान या पुराने अभिलेखों में 'कोईरी' जाति का उल्लेख होने पर समुचित साक्ष्यों, स्थानीय स्तर पर भौतिक जांच और त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रतिनिधियों से सत्यापन करवाकर नियमों के तहत पात्रता की पुष्टि की जाए। उन्होंने अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता बरतते हुए बिना किसी अनावश्यक विलंब के त्वरित गति से प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश दिया है।

प. चम्पारण में दो हजार किसानों,मजदूरों ने बेतिया समाहरणालय पर दी गिरफ्तारी

बीएनएम@ बेतिया

केंद्र सरकार की जनविरोधी और कॉरपोरेट परस्त नीतियों के खिलाफ बेतिया में संयुक्त किसान-मजदूर संगठनों द्वारा एक विशाल जुलूस निकाला गया। बिहार राज्य किसान सभा, सीटू और खेतिहर ग्रामीण मजदूर यूनियन के बैनर तले राज ड्योढ़ी स्थित तांगा पड़ाव से शुरू हुआ यह मार्च गगनभेदी नारों के साथ बेतिया समाहरणालय पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने घंटों कामकाज ठप रखा। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कॉरपोरेट भारत छोड़ो, चार लेबर कोड वापस लेने, मनरेगा कानून बहाल करने, किसानों को कर्ज मुक्त करने, एमएसपी को कानूनी दर्जा देने और स्मार्ट मीटर तथा होल्डिंग टैक्स लगाने पर रोक लगाने की पुरजोर मांग की। नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार गरीबों के अधिकारों को कुचलकर देश को पुनः गुलामी की ओर धकेल रही है और समाज में नफरत फैला रही है।समाहरणालय पर प्रदर्शन के दौरान भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अनुमंडल पदाधिकारी ने आंदोलनकारियों की गिरफ्तारी की घोषणा की। इस दौरान म. वहीद, शंकर दयाल गुप्ता, संजीव कुमार राव और सहोदरी देवी समेत करीब दो हजार प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस लाया गया। इस प्रदर्शन में बकुलहर मठ के पर्चाधारियों को जमीन पर कब्जा दिलाने, भूमिहीनों को 5 डिसमिल आवासीय जमीन देने, मनरेगा में 200 दिन काम व 700 रुपये प्रतिदिन मजदूरी की गारंटी और स्कीम वर्कर्स को 32 हजार रुपये वेतन देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। गिरफ्तारी के बाद भी किसानों और मजदूरों का यह आक्रोश प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना रहा।

अच्छी खबर : गया रेड क्रॉस में अब आयुर्वेद से भी इलाज

» पितृपक्ष में तीर्थयात्रियों को भी मिलेगी सुविधा

सप्ताह में 3 दिन अनुभवी डॉक्टर करेंगे उपचार

बीएनएम@ गयाजी

गया जिलावासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत करते हुए सोमवार को रेड क्रॉस परिसर में आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवा का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन जिला पदाधिकारी सह रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष शशांक शुभंकर ने किया। अब रेड क्रॉस परिसर में पहले से मिल रही एलोपैथी, होम्योपैथी और दंत चिकित्सा के साथ-साथ आयुर्वेदिक उपचार की सुविधा भी मिलने लगेगी। यह सेवा स्वामी राघवेंद्राचार्य त्रिदंडी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के सहयोग से संचालित होगी। इसके तहत सप्ताह में तीन दिन (सोमवार, शुक्रवार और शनिवार) सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक अनुभवी चिकित्सक मरीजों को परामर्श और उपचार की सुविधा देंगे।उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए डीएम शशांक शुभंकर ने कहा कि लोग तेजी से आयुर्वेद की ओर रुख कर रहे हैं, ऐसे में यह पहल आम जनता के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। उन्होंने आगामी पितृपक्ष मेला के दौरान गया आने वाले देश-विदेश के तीर्थयात्रियों के लिए भी यह आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। महाविद्यालय के सचिव महंत स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने का भरोसा जताया। इस अवसर पर रेड क्रॉस के चेयरमैन उपेंद्र नारायण सिंह, वाइस चेयरमैन डॉ. राम सरेख सिंह, सचिव डॉ. तनवीर उस्मानी, डॉ. कौशलेन्द्र प्रताप, डॉ. अनूप केडिया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस सेवा के शुरू होने से गया के मरीजों को विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों का लाभ एक ही छत के नीचे मिलने का मार्ग और प्रशस्त हो गया है।

'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर रामगढ़वा में तैयारियां तेज, 12 को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

ब्लॉक परिसर से निकलेगी यात्रा, देशभक्ति के संदेश के साथ लोगों को घर-घर तिरंगा फहराने के लिए किया जाएगा प्रेरित

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने के लिए प्रखंड प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में प्रखंड सह अंचल कार्यालय में बीडीओ राकेश कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 अगस्त को ब्लॉक परिसर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। बीडीओ राकेश कुमार ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों को अपने घरों, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बैठक में तिरंगा यात्रा के रूट चार्ट, सुरक्षा व्यवस्था, अनुशासन तथा विभिन्न पंचायतों से अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशासन की ओर से यात्रा को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में अपर थानाध्यक्ष सुमित कुमार, एसआई रामेश्वर राम, मुखिया पति शमसुल, मुखिया जानेआलम, प्रखंड कृषि पदाधिकारी पारसनाथ काजी, बीपीआरओ विश्वजीत कुमार, एलएस ज्योति कुमारी, बीसीओ रामनारायण साह, पैक्स अध्यक्ष मनोज सिंह सहित पुलिस एवं प्रखंड प्रशासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक के अंत में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्रवासियों से 12 अगस्त को आयोजित तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। साथ ही लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय पर्व में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

रामगढ़वा में बड़ी कार्रवाईः चोरी की बाइक व नेपाली शराब के साथ एक ही परिवार के तीन गिरफ्तार

पुलिस ने 9.2 लीटर नेपाली शराब और चोरी की होंडा मोटरसाइकिल की बरामद

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा थाना पुलिस ने अपराध एवं अवैध शराब कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल और नेपाली शराब के साथ एक ही परिवार के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई रामगढ़वा थाना कांड संख्या 389/26 के तहत की गई। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राजीव कुमार साह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान थाना क्षेत्र के नवकाठवा निवासी मंटू प्रसाद की पत्नी प्रतिमा देवी (43 वर्ष) तथा उनके दो पुत्र सागर कुमार (22 वर्ष) और रौशन कुमार (19 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान आरोपितों के कब्जे से एक चोरी की होंडा मोटरसाइकिल बरामद की गई। इसके अलावा 300 मिलीलीटर क्षमता वाली कस्तूरी नींबू फ्रेश ब्रांड की 29 बोतल तथा 300 मिलीलीटर क्षमता वाली एंबीशन रसियन फ्लेवर ब्रांड की दो बोतल नेपाली शराब बरामद की गई। बरामद शराब की कुल मात्रा करीब 9.2 लीटर बताई गई है। पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

सुबह उठते ही करें ये 5 काम, सकारात्मक रहेगा पूरा दिन

सुबह का समय दिन की शुरुआत के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सुबह उठने के बाद किए गए कुछ कार्य मन को शांत रखने और दिनभर सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं। माना जाता है कि दिन की शुरुआत यदि अच्छे विचारों और शुभ कार्यों के साथ की जाए तो व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है और वह पूरे दिन बेहतर तरीके से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर पाता है। आइए जानते हैं सुबह उठते ही किए जाने वाले पांच ऐसे काम, जिन्हें शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सुबह आंख खुलने के बाद सबसे पहले अपनी हथेलियों को देखना शुभ माना जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि हथेलियों में देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती और भगवान विष्णु का वास होता है। हथेलियों को देखकर मन में सकारात्मक विचार लाने की परंपरा रही है। इससे दिन की शुरुआत अच्छे भाव के साथ करने का अवसर मिलता है। बिस्तर से नीचे पैर रखने से पहले धरती माता को मन ही मन प्रणाम करने की परंपरा भी कई परिवारों में रही है। धार्मिक मान्यता के अनुसार पृथ्वी को माता का स्वरूप माना जाता है। इसलिए जमीन पर पैर रखने से पहले उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना शुभ माना जाता है। यह आदत व्यक्ति को प्रकृति और अपने आसपास के वातावरण के प्रति सम्मान का भाव भी सिखाती है। सुबह स्नान आदि के बाद सूर्य देव को जल अर्पित करना ज्योतिष और धार्मिक परंपराओं में विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि सूर्य को जल देने से आत्मविश्वास, ऊर्जा और सकारात्मकता बढ़ती है। सुबह की धूप शरीर के लिए भी उपयोगी हो सकती है। हालांकि जल चढ़ाते समय सुरक्षित स्थान और उचित समय का ध्यान रखना चाहिए। सुबह उठने के बाद कुछ मिनट शांत बैठकर ध्यान, प्रार्थना या मंत्र जाप करना मन को स्थिर करने में मदद कर सकता है। धार्मिक मान्यताओं में इसे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने वाला माना गया है। वहीं सामान्य जीवन में भी सुबह का शांत समय दिन की प्राथमिकताएं तय करने और तनाव कम करने में उपयोगी हो सकता है। सुबह उठकर अपने लिए एक सकारात्मक संकल्प लेना भी अच्छी आदत मानी जाती है। जैसे—आज क्रोध से बचना है, अपने काम को समय पर पूरा करना है या किसी जरूरतमंद की मदद करनी है। ज्योतिषीय मान्यताओं में सकारात्मक विचारों को शुभ ऊर्जा से जोड़ा जाता है। व्यावहारिक रूप से भी दिन का लक्ष्य पहले से तय करने से व्यक्ति अपने काम को व्यवस्थित तरीके से कर सकता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, सुबह की छोटी-छोटी अच्छी आदतें व्यक्ति के मन और व्यवहार पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। इनके परिणाम व्यक्ति-व्यक्ति पर अलग हो सकते हैं।

राष्ट्रकवि गोपाल सिंह नेपाली : शब्दों में राष्ट्र, जीवन में स्वाभिमान

कुमार कृष्णन

ईमान बेचता फिरता तो मैं भी महलों में रह लेता...—यह केवल एक कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्रकवि गोपाल सिंह नेपाली के संपूर्ण जीवन-दर्शन का उद्घोष है। उन्होंने साहित्य को कभी यश, वैभव या सत्ता तक पहुँचने का साधन नहीं बनाया, बल्कि उसे राष्ट्रजागरण, सांस्कृतिक चेतना और मानवीय मूल्यों की स्थापना का माध्यम माना। यही कारण है कि छह दशक से अधिक समय बाद भी उनकी कविताएँ राष्ट्रीय स्वाभिमान, नैतिक साहस और स्वतंत्र चिंतन की प्रेरणा देती हैं। राष्ट्रकवि गोपाल सिंह नेपाली की 115वीं जयंती केवल एक साहित्यकार का स्मरण नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय चेतना को पुनः याद करने का अवसर है, जिसकी आवश्यकता आज भी उतनी ही है जितनी स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में थी। वैश्वीकरण, उपभोक्तावाद और तात्कालिक लोकप्रियता के इस समय में नेपाली का साहित्य याद दिलाता है कि साहित्यकार सर्वोच्च दायित्व समाज को नैतिकदिशा देना, मनुष्य के भीतर आत्मविश्वास जगाना और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना है। 11 अगस्त 1911 को जन्मे गोपाल सिंह नेपाली ने ऐसे समय में साहित्य-सृजन आरंभ किया, जब देश स्वतंत्रता आंदोलन की तीव्र उथल-पुथल से गुजर रहा था। गीत, राष्ट्रकाव्य, प्रकृति, प्रेम और मानवीय संवेदनाओं से समृद्ध उनकी रचनात्मक यात्रा ने उन्हें हिंदी के सबसे लोकप्रिय मंचीय कवियों में प्रतिष्ठित किया। उनकी भाषा सहज, मधुर और जनसुलभ थी, इसलिए उनकी कविताएँ साहित्यिक गोष्ठियों से निकलकर गाँव-गाँव और जन-जन तक पहुँचीं। नेपाली केवल कवि नहीं थे; वे सफल पत्रकार, संपादक और हिंदी फिल्मों के प्रतिष्ठित गीतकार भी थे। उन्होंने लोकप्रियता और साहित्यिक गरिमा के बीच ऐसा संतुलन स्थापित किया, जो विरले ही देखने को मिलता है। उनके फिल्मी गीतों में भी भारतीय संस्कृति, नैतिकता और मानवीय संवेदनाओं की गहरी छाप दिखाई देती है। उन्होंने सिद्ध किया कि साहित्यिक गुणवत्ता बनाए रखते हुए भी व्यापक जनस्वीकृति प्राप्त की जा सकती है।

उनके साहित्य में भारत केवल एक राजनीतिक राष्ट्र नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक सभ्यता के रूप में उपस्थित है। हिमालय, गंगा, खेत-खलिहान, किसान, गाँव और साधारण भारतीय उनके काव्य के स्थायी प्रतीक हैं। वे भारतीयता को किसी राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनकी कविताओं में प्रकृति का सौंदर्य, सांस्कृतिक गौरव, मानवीय करुणा और राष्ट्रीय चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

गोपाल सिंह नेपाली के व्यक्तित्व का सबसे प्रेरक पक्ष उनका अदम्य स्वाभिमान था। उन्होंने अपनी लेखनी को कभी सत्ता के सामने नहीं झुकाया। उनकी प्रसिद्ध पंक्ति—ईमान बेचता फिरता तो मैं भी महलों में रह लेता—आज भी साहित्यकारों, पत्रकारों और सार्वजनिक जीवन से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के लिए नैतिक साहस का घोष है। वहीं उनका उद्घोष—मेरा धन है स्वाधीन कलम—लेखकीय स्वतंत्रता और वैचारिक स्वाभिमान का कालजयी संदेश है। राष्ट्रवादी चेतना उनकी काव्य-प्रतिभा का सबसे उज्ज्वल पक्ष रही। उन्होंने देशभक्ति को केवल भावनात्मक उद्घोष तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे राष्ट्रीय उत्तरदायित्व और जनजागरण का माध्यम बनाया। विशेष रूप से 1962 के भारत-चीन युद्ध के समय उनकी कविताएँ पूरे देश में राष्ट्रीय मनोबल की आवाज बनकर गूँजीं। उनकी ऐतिहासिक कविता चालीस करोड़ों को हिमालय ने पुकारा उस समय राष्ट्रीय जागरण का घोष बन गई। हिमालय उनके यहाँ केवल पर्वत नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। इसी प्रकार ओ राही दिल्ली जाना के माध्यम से उन्होंने सत्ता का ध्यान राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमाओं की ओर आकृष्ट किया। उनका राष्ट्रवाद भावुकता का नहीं, बल्कि सजग, उत्तरदायी और लोकतांत्रिक चेतना का राष्ट्रवाद था। गोपाल सिंह नेपाली का जीवन जितना उनकी कविताओं से जुड़ा था, उतना ही जनमानस से भी। वे देशभर में घूम-घूमकर अपनी ओजस्वी कविताओं का पाठ करते रहे और हजारों श्रोताओं के भीतर राष्ट्रप्रेम तथा आत्मविश्वास का संचार किया। अंग प्रदेश, विशेषकर भागलपुर, से उनका गहरा आत्मीय संबंध रहा। वे अनेक साहित्यिक आयोजनों और कवि सम्मेलनों में यहाँ आते रहे और अपनी प्रभावशाली वाणी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करते रहे। संयोग से यही शहर उनकी अंतिम यात्रा का भी साक्षी बना, जिसने उन्हें केवल अतिथि कवि नहीं, बल्कि अपने प्रिय राष्ट्रकवि के रूप में विदा किया। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद गोपाल सिंह नेपाली ने स्वयं को राष्ट्रीय जागरण के अभियान में पूरी तरह समर्पित कर दिया। वे देशभर में घूम-घूमकर अपनी राष्ट्रवादी कविताओं का पाठ करते रहे। उनके लिए कविता केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जनचेतना जगाने का माध्यम थी। वे मानते थे कि जब राष्ट्र संकट में हो, तब कवि का मौन रहना उसके धर्म के विरुद्ध है। यही कारण था कि उनकी लेखनी और वाणी दोनों ने उस कठिन समय में निराशा को संकल्प और आत्मविश्वास में बदलने का कार्य किया। इसी राष्ट्रयात्रा के क्रम में 17 अप्रैल 1963 को मालदा मंडल के एकचारी स्टेशन से भागलपुर आने के दौरान रेलयात्रा में उनका निधन हो गया। आधिकारिक रूप से उनकी मृत्यु का कारण हृदयाघात माना गया। समय-समय पर परिवार और कुछ अन्य लोगों ने विभिन्न आशंकाएँ व्यक्त कीं, किंतु उनकी कभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। इतिहास के लिए प्रमाणित तथ्य यही है कि राष्ट्रकवि की जीवन-यात्रा राष्ट्रजागरण के अभियान के बीच ही समाप्त हुई। भागलपुर जंक्शन पर उनके निधन का समाचार पहुँचते ही पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई। समाजसेवी एवं स्वतंत्रता सेनानी शुभकरण चुड़ीवाला की पहल पर प्रशासन ने तत्काल आवश्यक व्यवस्थाएँ कीं और राष्ट्रकवि के पार्थिव शरीर को मारवाड़ी पाठशाला में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। देखते ही देखते हजारों नागरिक, साहित्यकार, शिक्षक, विद्यार्थी और उनके असंख्य प्रशंसक वहाँ उमड़ पड़े। वातावरण शोकाकुल था, किंतु लोगों की स्मृतियों में उनकी ओजस्वी कविताएँ गूँज रही थीं। यह दृश्य इस बात का प्रमाण था कि गोपाल सिंह नेपाली केवल मंचों के लोकप्रिय कवि नहीं, बल्कि जनता के हृदय में बसने वाले राष्ट्रकवि थे। 18 अप्रैल 1963 को भागलपुर के बरारी श्मशान घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। तत्कालीन बिहार सरकार ने उनके निधन पर दो दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की। लोकसभा, राज्यसभा, बिहार विधानसभा और बिहार विधान परिषद में भी शोक प्रस्ताव पारित किए गए। यह सम्मान इस तथ्य का प्रमाण था कि गोपाल सिंह नेपाली केवल हिंदी साहित्य के प्रतिनिधि कवि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के सशक्त स्वर थे।

समय बदलता है, साहित्य की अभिव्यक्ति भी नए रूप ग्रहण करती है, किंतु कुछ रचनाकार ऐसे होते हैं जिनकी प्रासंगिकता समय की सीमाओं से परे होती है। गोपाल सिंह नेपाली ऐसे ही साहित्यकार हैं। उनकी कविताएँ आज भी राष्ट्रीय चरित्र, सांस्कृतिक अस्मिता, नैतिकता और स्वतंत्र चिंतन के प्रश्नों पर उतनी ही सार्थक प्रतीत होती हैं। जब सार्वजनिक जीवन में मूल्यों का संकट, सामाजिक ध्रुवीकरण और तात्कालिक लोकप्रियता का दबाव बढ़ रहा हो, तब उनका साहित्य ईमानदारी, स्वाभिमान और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का संदेश देता है। आज की पीढ़ी गोपाल सिंह नेपाली को केवल राष्ट्रगीतों के रचनाकार के रूप में नहीं, बल्कि स्वतंत्र विचार और निर्भीक लेखनी के प्रतीक के रूप में भी देख सकती है। उनकी अमर पंक्तियाँ—ईमान बेचता फिरता तो मैं भी महलों में रह लेता—आज भी साहित्यकारों, पत्रकारों, शिक्षकों और सार्वजनिक जीवन से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के लिए नैतिक आचरण का मानदंड हैं। वहीं मेरा धन है स्वाधीन कलम लेखक की वैचारिक स्वतंत्रता का ऐसा उद्घोष है, जो हर दौर में प्रासंगिक रहेगा। इसी उद्देश्य से साहित्यिक संस्था शब्दयात्रा तथा गोपाल सिंह नेपाली आंदोलन के संयोजक पारस कुंज ने 11 से 31 अगस्त 2026 तक नेपाली पखवीस–2026 मनाने का आह्वान किया है। इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्रकवि की साहित्यिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना को नई पीढ़ी तक पहुँचाना है। देशभर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, पुस्तकालयों, आकाशवाणी, दूरदर्शन तथा साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाओं से आग्रह किया गया है कि वे संगोष्ठी, व्याख्यान, काव्य-पाठ और राष्ट्रगीतों के सामूहिक गायन जैसे आयोजन कर राष्ट्रकवि को सच्ची श्रद्धांजलि दें। गोपाल सिंह नेपाली आंदोलन लंबे समय से राष्ट्रकवि के सम्मान में कई महत्वपूर्ण माँगें भी उठाता रहा है। इनमें उन्हें मरणोपरांत सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करने, भागलपुर–बेतिया गोपाल सिंह नेपाली एक्सप्रेस का संचालन, बेतिया स्थित उनके ऐतिहासिक निवास कालीबाग दरबार और भागलपुर के गोपाल सिंह नेपाली सभागार को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने, प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर उनकी प्रतिमाएँ स्थापित करने तथा उनकी रचनाओं को विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में समुचित स्थान देने जैसी माँगें शामिल हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल स्मारक बनाना नहीं, बल्कि उनकी वैचारिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना है। भागलपुर के लिए यह अवसर विशेष महत्व रखता है। यह वही शहर है जहाँ राष्ट्रकवि ने अपनी ओजस्वी कविताओं से असंख्य लोगों में राष्ट्रीय चेतना का संचार किया और जहाँ उनकी जीवन-यात्रा का अंतिम अध्याय भी लिखा गया। इसलिए भागलपुर केवल उनकी स्मृतियों का नगर नहीं, बल्कि उनकी साहित्यिक विरासत का जीवंत केंद्र भी है।

अमंगल हारी, करुणामयी शिवशक्ति का पावन पर्व है सावन शिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

भारत में सर्वाधिक महत्व जिस देव का है, वो देवाधिदेव भगवान शिव ही हैं, जो आज भी समूचे भारतवर्ष में उतने ही पूजनीय और वंदनीय हैं, जितने सदियों पहले। देशभर में भगवान शिव की पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है, इसीलिए 'शिवरात्रि' पर्व को भारत में राष्ट्रीय पर्व का दर्जा प्राप्त है। वैसे तो शिवरात्रि हर माह मनती है किन्तु इनमें से फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि की महत्ता सर्वाधिक है। सावन शिवरात्रि प्रायः माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को मनाई जाती है, जिसे भगवान शिव के प्रति भारतीयों की आस्था की प्रतीक 'कांवड़ यात्रा' का समापन दिवस भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन की शिवरात्रि सावन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है और वर्ष यह तिथि 11 अगस्त को प्रातः 4 बजकर 43 मिनट से शुरू होकर 12 अगस्त रात्रि 01 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, यह पर्व 11 अगस्त को ही मनाया जाएगा और इसी दिन शिवलिंग का जलाभिषेक होगा। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर ही कांवड़ यात्रा का भी समापन होता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस साल सावन शिवरात्रि पर चतुर्ग्रही योग बन रहा है और इस दिन कर्क राशि में सूर्य, गुरु, बुध और चंद्रमा एक साथ बैठकर चतुर्ग्रही योग का निर्माण करने वाले हैं।

धार्मिक ग्रंथों में 'शिव' और 'रात्रि' के शाब्दिक अर्थ को परिभाषित करते हुए बताया गया है, जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करुणासागर भगवान शिव हैं। जो भगवान नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं। 'रात्रि' शब्द 'रा' दानार्थक धातु से बना है अर्थात् जो सुखादि प्रदान करती है, वह 'रात्रि' है। रात्रि सदा आनन्ददायिनी होती है, अतः सबकी आश्रयदात्री होने के कारण उसकी स्तुति की गई है। इस प्रकार शिवरात्रि का अर्थ है, वह रात्रि, जो आनंद देने वाली है, जिसका शिव नाम के साथ विशेष संबंध है।

भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। देव-दानव, मानव-प्रेत, भगवान शिव इन सभी के आराध्य देव रहे हैं। 'भोले बाबा' के रूप में सर्वत्र पूजनीय भगवान शिव को समस्त देवों में अग्रणीय और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वह अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं तथा उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान शिव को भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता का प्रतीक माना गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में यही उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं। कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने भगवान शिव की अनुकम्पा प्राप्त करने के लिए उन्हें अपनी एक आंख समर्पित कर दी थी। इस बारे में कहा गया है कि भगवान विष्णु जब शिव को प्रसन्न करने के लिए 1008 कमल के फूलों से उनका अभिषेक कर रहे थे, तब आखिर में एक कमल कम रह गया। इस पर भगवान विष्णु ने तुरंत कटार से अपनी एक आंख निकाली और कम रहे कमल के स्थान पर शिव को अपनी आंख अर्पित कर दी। इससे शिव विष्णु पर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने भगवान विष्णु को अपना दिव्य मंत्र प्रदान कर दियाः-

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनात्।
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

भगवान शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है। इसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

मेष राशि : आज आपके लिए दिन सामान्य लेकिन सूझबूझ से आगे बढ़ने का है। कार्यक्षेत्र या परिवार में भाइयों और करीबियों से चल रहा मनमुटाव आज शांत होगा। बातचीत में समझदारी दिखाएं। आज आपकी कोई खोई हुई चीज अचानक मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न होगा। आज शिवलिंग पर शहद अर्पित करने से मानसिक शांति मिलेगी और रुके हुए काम पूरे होंगे।

वृषभ राशि : आर्थिक मोर्चे पर आज का दिन आपके लिए स्पष्टता लेकर आया है। अटके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है और निवेश के लिए दिन अच्छा है। हालांकि, कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ किसी भी तरह की गुप्त बातों या अफवाहों का हिस्सा बनने से बचें। सफेद चंदन का तिलक लगाने से भाग्य का साथ मिलेगा और धन का प्रवाह बढ़ेगा।

मिथुन राशि : आज आपके भीतर चल रही जल्दबाजी और मानसिक उत्तेजना में कमी आएगी, जिससे आप शांत होकर फैसले ले पाएंगे। आपके पास नए विचार तो बहुत होंगे, लेकिन उन्हें लागू करने से पहले पूरी योजना बना लें। व्यापार में कोई भी बड़ा वित्तीय जोखिम आज न लें। आज के दिन गाय को हरी घास खिलाने से कार्यक्षेत्र की सभी बाधाएं दूर होंगी।

कर्क राशि : आज आपके व्यक्तित्व में एक अलग ही निखार और आकर्षण देखने को मिलेगा। द्विपुष्कर योग के प्रभाव से आपके पुराने अटके हुए काम आज गति पकड़ेंगे और पूरे हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की प्रतिभा की आज अधिकारी सराहना करेंगे। भोलेनाथ को कच्चा दूध चढ़ाने से आपकी सेहत और पारिवारिक जीवन में मधुरता आएगी।

सिंह राशि : आज आपका सामाजिक दायरा मजबूत होगा और मित्रों के सहयोग से कोई पुराना विवाद सुलझ सकता है। कार्यक्षेत्र में नेतृत्व करने का मौका मिलेगा। बस ध्यान रखें कि किसी के दबाव में आकर आज कोई भी बड़ा वादा या समझौता न करें। उगते सूर्य को जल देने और शिव चालीसा का पाठ करने से यश-कीर्ति में वृद्धि होगी।

कन्या राशि : करियर के मामले में आज आपको बड़ी सफलता या कोई स्पष्ट दिशा मिल सकती है। अगर नौकरी बदलने या नए प्रोजेक्ट को लेकर कोई उलझन थी, तो वह आज दूर हो जाएगी। अपने खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखें और निवेश से पहले कागजात ध्यान से पढ़ें। मंदिर में कपूर का दान करने से आपके सोचे हुए सभी कार्य समय पर पूरे होंगे।

तुला राशि : प्रॉपर्टी और जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में आज आपको बड़ा मुनाफा होने के संकेत हैं। समाज में आपकी साख और लोकप्रियता बढ़ेगी। अपनी संवाद शैली और कलात्मक क्षमता के बल पर आज आप दूसरों से अपना काम आसानी से निकलवा पाएंगे। आज किसी जरूरतमंद को चावल या मिश्री का दान करना अत्यंत शुभ फल देगा।

वृश्चिक राशि : आज भाग्य आपका साथ देगा, लेकिन आपको हर काम में धैर्य बनाए रखने की जरूरत है। जल्दबाजी में आकर किसी भी नए बिजनेस वेंचर में पैसा लगाने से बचें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत पर वरिष्ठ अधिकारियों की सीधी नजर रहेगी। हनुमान चालीसा का पाठ करने से आपके भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। शुभ अंकः 9

धनु राशि : जीवनसाथी या किसी बेहद करीबी व्यक्ति की सलाह आज आपके लिए संजीवनी का काम करेगी और आपको कोई गहरी समझ देगी। सामने आने वाली चुनौतियां बड़ी लग सकती हैं, लेकिन आपके आत्मविश्वास के आगे टिक नहीं पाएंगी।

मकर राशि : आज आपको अपने बिगड़े हुए रूटीन और खान-पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। पैसों के लेनदेन और उधारी में सावधानी बरतें। हालांकि, पेशेवर जीवन में पहले किए गए निवेश का अच्छा रिटर्न आज आपको मिल सकता है। शाम के समय पीपल के पेड़ के पास दीपक जलाने से आर्थिक संकट टल जाएंगे।

कुंभ राशि : संतान पक्ष की ओर से आज आपको कोई बड़ी और सुखद खुशखबरी मिल सकती है। दिन के दूसरे भाग में बुजुर्गों के आशीर्वाद से आपकी अधूरी पड़ी योजनाएं पूरी होंगी। शाम के समय किसी पुराने निवेश से अचानक धन लाभ होने के योग हैं।

मीन राशि : घर-परिवार में चल रही समस्याओं को आज आप अपनी सूझबूझ से सुलझा लेंगे और आपसी समझ बढ़ेगी। वित्तीय मामलों में लेन-देन करते समय थोड़ी अतिरिक्त सतर्कता बरतें। वाहन चलाते समय आज जल्दबाजी करने से बचना आपके लिए बेहद जरूरी है। शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से घर की अशांति दूर होगी और सुख-समृद्धि आएगी।

नैनीताल का रोप-वे, अंग्रेजों ने 139 पहले बना ली थी योजना

प्रयाग पाण्डे

अंग्रेजों के प्रकृति प्रेम एवं औपनिवेशिक शासकों की तात्कालिक आवश्यकताओं के चलते आज से करीब 183 साल पहले 1843 में कुछ यूरोपीय नागरिकों की स्वतंत्र पहल से नैनीताल नामक नगर की बसावट शुरू हुई। नैनीताल को एक आदर्श हिल स्टेशन के रूप में आबाद और विकसित करने के पीछे अंग्रेजों का प्रकृति प्रेम के साथ लालच भी था और जरूरत भी। इसमें कोई दो राय नहीं कि नैनीताल के प्रति अंग्रेजों के मन में एक विशेष आत्मीयता का भाव था। आत्मीयता के इस रिश्ते को उन्होंने नैनीताल के साथ ईमानदारी से निभाया भी। नैनीताल को अंग्रेजों ने एक निश्चित जनसंख्या के लिए बसाया। इसी के मद्देनजर यहाँ आधारभूत सुविधाओं का ढाँचा खड़ा किया गया था। 1890 के आसपास जब नैनीताल की ग्रीष्मकालीन आबादी तकरीबन दस हजार के आसपास थी,तभी से यहाँ की भार वहन क्षमता का आकलन किए जाने की बात होने लगी थी। तत्कालीन अनेक ब्रिटिश अधिकारियों का कहना था कि नैनीताल अति मनुष्यों से भर गया है। लिहाजा यहाँ आबादी का और अधिक बोझ डाला जाना अनुचित है। अंग्रेज नैनीताल के भंगुर पर्यावरण से बखूबी वाकिफ थे। उनकी हरेक योजनाएँ दीर्घकालिक नजरिए से बनती थीं। अंग्रेजों ने आज से 139 साल पहले नैनीताल को रोप -वे से जोड़ने के बारे में सोच लिया था। इसके लिए बाकायदा रोप -वे की योजना को स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई थी। प्रारंभिक काल में नैनीताल आने-जाने के लिए सबसे बड़ी समस्या रास्तों की थी। प्रारंभिक दौर में बरेली से बाजपुर होते हुए कालाढूंगी पहुँचा जाता था, वहाँ से निहाल नदी के किनारे- किनारे खुर्पाताल होते हुए नैनीताल। शुरुआत में यह पूरी यात्रा पैदल ही तय करनी पड़ती थी। 1847 में निहाल पुल से खुर्पाताल होते हुए नैनीताल तक अश्व मार्ग बना दिया गया था। फिर पुरुषों के लिए घोड़े और महिलाओं एवं बच्चों के लिए डांडी से यात्रा करना संभव हो गया था। 1884 में काठगोदाम तक रेल पहुँचने के बाद 1885 में काठगोदाम से ब्रेवरी तक सड़क बनाई गई। इसके बाद ब्रेवरी तक तांगे आने लगे थे। ब्रेवरी से नैनीताल आने के लिए घोड़े, डांडी और पालकी या फिर पैदल एकमात्र यातायात के साधन थे। ब्रिटिश साम्राज्य में भारत के सर्वशक्तिमान आका समझे जाने वाले अविभाजित भारत के वॉयसराय और नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर से लेकर ब्रिटिश सेना और शासन के सभी आला अफ़सरान घोड़े की सवारी कर ही नैनीताल आते-जाते थे। 1893 में नैनीताल में तांगे आने लगे थे।

टांगों द्वारा यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो जाने के बावजूद अभी भी नैनीताल में आवागमन बहुत आसान नहीं था। स्थानीय मौसमियत का आवागमन पर सीधा असर पड़ता था।बरसात और ठंड के दिनों में नैनीताल की आवाजाही बेहद जोखिम भरी, श्रमसाध्य एवं तकलीफ़देह होती थी। बरसात में भू -धसाव की घटनाएं बढ़ जाती थीं, जिससे आवागमन प्रभावित होता था। अगर मौसम अनुकूल भी हो तो भी नैनीताल आने -जाने में बहुत समय लगता था। आवागमन की इस समस्या से निजात पाने के लिए मई,1887 में मिस्टर हन्ना नामक एक अंग्रेज ने यातायात और सामान लाने, ले जाने के लिए नैनीताल से कालाढूंगी की ओर तीन हजार फीट लंबे रोप-वे के निर्माण का सुझाव दिया। ब्रिटिश प्रशासन ने इस प्रस्ताव पर अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी। इस कार्य को संपादित करने के लिए 1888 के प्रारंभिक दिनों में नैनीताल रोप -वे कंपनी लिमिटेड बन गई। अगस्त,1888 में मिस्टर हन्ना ने रोप-वे के लिए 9900 रुपये की शुरुआती योजना बना ली थी। मिस्टर हन्ना की रोप-वे की इस योजना का नैनीताल नगर पालिका की सार्वजनिक निर्माण समिति ने व्यवहारिक पक्षों का अध्ययन किया। तब इस समिति में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता भी सदस्य होते थे। योजना के सभी पक्षों की जाँच-परख के बाद नगर पालिका की सार्वजनिक निर्माण समिति ने इस योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी। 8 अक्टूबर, 1888 को नगर पालिका कमेटी की बैठक में भी इस योजना को स्वीकृति दे दी गई। अंतिम स्वीकृति के लिए योजना को कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक कमिश्नर को भेज दिया गया।

प्रस्तावित रोप -वे के तार स्लीपी हॉल एवं लौंगडेल से होते हुए जाने थे। 30 नवंबर, 1888 को नगर पालिका, नैनीताल के तत्कालीन उपाध्यक्ष जे. ओकशॉट ने कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक आयुक्त को रोप-वे के तारों को ले जाने के लिए स्लीपी हॉल और लौंगडेल की जमीन के निश्चित हिस्सों को अनिवार्य अधिग्रहण एक्ट-x-1870 की धारा -12 के अंतर्गत 650 रुपये में अधिगृहित करने का प्रस्ताव भेजा।

इधर नगर पालिका ने मिस्टर हन्ना से कहा कि वे इस योजना का ठेका दस हजार रुपये में खुद ही ले लें। नगर पालिका ने मिस्टर हन्ना को योजना की लागत राशि का अग्रिम भुगतान करने की भी पेशकश कर दी। मिस्टर हन्ना की सहमति के बाद नगर पालिका ने रोप -वे योजना का दस हजार रुपये का टेंडर उनके नाम स्वीकृत कर दिया था। नगर पालिका का तर्क था कि दार्जिलिंग में दस हजार रुपये की लागत से एक हजार फीट लंबी रोप- वे लाइन डाली गई है, जबकि मिस्टर हन्ना उतनी ही राशि में तीन हजार फीट लंबी रोप-वे बनाने जा रहे हैं। वह भी बिना अग्रिम भुगतान के।

नगर पालिका ने रोप -वे योजना के लिए सरकार से नारायण नगर, चोरखेत और सड़ियाताल में जमीन माँगी। इसी दरम्यान पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता एफ.बी. हेंसलोव ने मिस्टर हन्ना की रोप -वे योजना पर अपनी विस्तृत आख्या दी थी। अभी यह प्रस्ताव कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक आयुक्त के विचाराधीन था। प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद जमीन पर काम शुरू हो पाता कि 6 मई,1888 को हरमिटेज, स्लीपी हॉल और क्रेग कॉटेज के तत्कालीन स्वामी कर्नल डब्ल्यू. बैरन और लौंगडेल के तत्कालीन मालिक कुंवर रणजीत सिंह ने इस योजना पर अपनी आपत्ति दर्ज करा दी। कर्नल डब्ल्यू. बैरन का कहना था कि उन्होंने हाल ही में हरमिटेज को दोमंजिला किया है। प्रस्तावित रोप-वे उनके बरामदे से दृष्टिगोचर होगी,जिससे उनकी निजता भंग होने की आशंका है। कर्नल बैरन ने अपने पत्र में लिखा कि नैनीताल के बड़े फायदे के लिए उनकी संपत्ति को नुकसान पहुँचाना उचित नहीं है। इस मामले में लंबी लिखा-पढ़ी हुई। अंततः यह मामला नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर तक जा पहुँचा। प्रोविंसेज के गवर्नर ने कर्नल डब्ल्यू. बैरन और कुंवर रणजीत सिंह की आपत्तियों का संज्ञान लिया। इस बारे में नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज एंड अवध के सचिव आर. स्मीटन ने 18 मई, 1888 को कुमाऊँ के कमिश्नर को पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि लेफ्टिनेंट गवर्नर किसी भी नागरिक के निजी अधिकारों के हनन के पक्ष में नहीं हैं। कर्नल डब्ल्यू. बैरन और कुंवर रणजीत सिंह की आपत्तियों के मद्देनजर रोप -वे के लिए वैकल्पिक मार्ग खोजा जाए। जिसमें किसी की निजी भूमि नहीं आ रही हो या किसी को भी कम से कम नुकसान हो। इसके बाद रोप -वे की यह योजना हवा में ही अटक कर रह गई। 1947 में अंग्रेज अपने वतन लौट गए। भारत आजाद हो गया। आजादी के 79 साल बीत जाने के बावजूद नैनीताल को रोप-वे से जोड़ने की दिशा में आज तक कोई ठोस पहल नहीं हुई।

जब नैनीताल में यातायात के वैकल्पिक व्यवस्थाएं खोजने का यह मुआमला चल रहा था, तब यहाँ यांत्रिक यातायात की शुरुआत नहीं हुई थी। नैनीताल गाड़ियों की भीड़ -भाड़ और शोरगुल से निरापद था। आज जबकि नैनीताल के हरेक हिस्से में गाड़ियां बिछ-सी गई हैं। रोज-ब-रोज गाड़ियों का तांता बढ़ता ही चला जा रहा है। नगर के पैदल रास्ते भी छोटी-बड़ी गाड़ियों की भीड़ से अछूते नहीं हैं। नगर की सड़कों में क्षमता से कई गुना अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहन दौड़ रहे हैं। अनियंत्रित यातायात के चलते आम लोगों का पैदल चल पाना दुष्कर हो गया है। अंधाधुंध यांत्रिक यातायात के कारण यहाँ वायु और ध्वनि प्रदूषण में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन से आगे और मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी : मीराबाई चानू

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोत्साहन और हौसला बढ़ाने वाले शब्द उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगे। चानू ने ग्लासगो में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने भावुक सफर को भी याद किया।

मोदी से मिलने के बाद चानू ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, "हमारी यात्रा में लगातार सहयोग और प्रोत्साहन के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी का धन्यवाद। कल हुई हमारी खास बातचीत के दौरान हर मेडलिस्ट के लिए आपके उत्साह बढ़ाने वाले शब्द निश्चित रूप से हमें अगली प्रतियोगिताओं में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करेंगे।" ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू ने महिलाओं के 48 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीता, लेकिन उन्होंने कहा कि इस जीत का भावनात्मक महत्व मेडल से कहीं ज़्यादा था। मणिपुर की इस एथलीट को वे चोटें, पारिवारिक मुश्किलें और पेरिस ओलंपिक में मेडल न जीत पाने की निराशा याद आई, जिनसे वे पिछले चार सालों में गुज़री थीं। चानू से बात करते हुए प्रधानमंत्री ने उन भावनाओं को समझा जिनकी वजह से उन्हें यह जीत मिली और मेडल सेरेमनी के बाद उनके आंसुओं के महत्व की सराहना की। प्रधानमंत्री ने चानू से कहा, "आपने सभी को गौरवान्वित किया है। इतने आंसू बह रहे थे। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे आंसुओं की हर बूंद से एक गोल्ड मेडल गिर रहा हो।" चानू ने बताया कि पोडियम पर वापस पहुँचकर उन्हें बहुत खुशी हुई, लेकिन उस पल ने उन्हें पेरिस में हुई निराशा की भी याद दिला दी। चानू ने कहा, "उस दिन मैं बहुत खुश और भावुक थी। मैं बहुत खुश थी। और मैं रो पड़ी क्योंकि पेरिस ओलंपिक में मेरा मेडल हाथ से निकल गया था।

एक खिलाड़ी को ज़िंदगी में कई चीज़ों का सामना करना पड़ता है और मैंने इन 4 सालों में बहुत कुछ झेला है।" चानू ने बताया कि चोटों की वजह से उनके करियर में बार-बार रुकावटें आईं और साथ ही उन्हें पारिवारिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, "मुझे बार-बार चोटें लग रही थीं। और मैं पारिवारिक समस्याओं से भी जूझ रही थी। पिछले चार साल बहुत मुश्किल भरे थे।" उन मुश्किलों से गुज़रने की वजह से, ग्लासगो में पोडियम तक पहुंचने का पल और भी ज़्यादा खास हो गया। उन्होंने बताया कि गोल्ड मेडल जीतने के बाद जब भारतीय झंडा फहराया गया और राष्ट्रगान बजा, तो वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं और रो पड़ीं।

कारगिल विजय दिवस पर पाकिस्तानी मुक्केबाज को हराना जादुमणि के लिए बना खास पल

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान कारगिल विजय दिवस पर पाकिस्तान के मुक्केबाज के खिलाफ मिली अपनी जीत को याद किया। जादुमणि ने बताया कि भारतीय सेना से जुड़े होने के कारण यह मुकाबला उनके लिए बेहद खास था और उन्होंने अपनी जीत कारगिल के वीर जवानों को समर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर राष्ट्रमंडल खेल 2026 के भारतीय पदक विजेताओं से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेलों से जुड़े अपने यादगार अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किए। प्रधानमंत्री ने जादुमणि से कारगिल विजय दिवस के दिन मिली उनकी जीत के बारे में पूछा। जादुमणि ने बताया कि राष्ट्रमंडल खेलों में उनका पाकिस्तान के सुमामा रहमान से मुकाबला कारगिल विजय दिवस के दिन हुआ था। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना से जुड़े होने के कारण वह पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। जादुमणि ने 16वें दौर के मुकाबले में सुमामा रहमान को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया और अपनी जीत भारतीय सेना के वीर जवानों को समर्पित की। प्रधानमंत्री ने जादुमणि की इस भावना की सराहना करते हुए कहा कि कारगिल के वीरों को अपनी जीत समर्पित करने से उनकी उपलब्धि का महत्व और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि जादुमणि ने जिस प्रतिद्वंद्वी को हराना था, उसी को हराकर देश के लिए गौरव का क्षण बनाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने लवलीना की देशभक्ति की सराहना की, ग्लासगो में गलत नक्शे पर जताई थी आपत्ति

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन की देशभक्ति की भावना की सराहना की। लवलीना ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान ग्लासगो के एक रेस्तरां में भारत का विकृत नक्शा प्रदर्शित किए जाने पर आपत्ति जताई थी। प्रधानमंत्री ने भारतीय पदक विजेताओं के साथ अपने आवास पर हुई बातचीत के दौरान इस घटना का उल्लेख करते हुए लवलीना के जज्बे की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने सोमवार को अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में लवलीना से रेस्तरां में हुई घटना के बारे में पूछा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में पूछा कि क्या वह रेस्तरां के कर्मचारियों से इस

मुद्दे पर उलझ गई थीं। इसके जवाब में लवलीना ने बताया कि प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बाद वह भावुक थीं। रेस्तरां में भारत का गलत नक्शा देखकर उन्होंने कर्मचारियों से इस बारे में बात की और उसे बदलने का आग्रह किया। लवलीना ने बताया कि भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के कारण वहां बड़ी संख्या में भारतीय मौजूद थे। ऐसे में उन्हें भारत का विकृत नक्शा देखकर बुरा लगा और उन्होंने रेस्तरां कर्मचारियों से दृढ़ता से अपनी बात रखी। कर्मचारियों ने उनकी बात मान ली और बाद में नक्शे में बदलाव कर दिया गया। प्रधानमंत्री ने इस घटना को खिलाड़ियों के भीतर देश के प्रति गहरे सम्मान का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पदक जीतने के बाद खुशी और जश्न के माहौल में भी लवलीना का भारत के नक्शे पर ध्यान जाना दिखाता है कि देश के प्रति भावना केवल पदक लेते समय दिखाई देने वाली चीज नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों के भीतर गहराई से मौजूद है।

बरवाल ने प्रधानमंत्री को सुनाया पाकिस्तानी मुक्केबाज से जुड़ा दिलचस्प किस्सा

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के 90+ किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले भारतीय मुक्केबाज नरेंदर बरवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान अपने करियर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने 2015 के विश्व सैन्य खेलों में पाकिस्तान के एक मुक्केबाज को हराने के बाद हुई बातचीत का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने रविवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेलों के दौरान और अपने करियर से जुड़े यादगार अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किए। नरेंदर बरवाल ने बताया कि 2015 के विश्व सैन्य खेलों में पाकिस्तान के मुक्केबाज को हराने के बाद उसने उनसे एक दिलचस्प बात कही। बरवाल के मुताबिक, पाकिस्तानी मुक्केबाज ने कहा, "आपका नाम नरेंदर है, आपके कोच का नाम नरेंद्र है और आपके प्रधानमंत्री का नाम नरेंद्र है। मुझे नरेंद्र नाम से नफरत हो गई है।" बरवाल ने यह किस्सा सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी के यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में सुनाया। उनके इस किस्से पर बातचीत के दौरान माहौल हल्का-फुल्का हो गया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें उनकी मेहनत, समर्पण और देश का गौरव बढ़ाने के लिए बधाई दी।

डीपीएलः सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 4 विकेट से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

युगल सैनी की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 19वें मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को चार विकेट से रोमांचक शिकस्त दी। अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात खेले गए मुकाबले में 221 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर दो गेंद शेष रहते जीत हासिल की। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स के

गेंदबाज साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे। साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में छह विकेट पर 220 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर बल्लेबाज तेजस्वी दहिया ने 31 गेंदों में आठ छक्कों और एक चौके की मदद से 69 रन की विस्फोटक पारी खेली। कप्तान आयुष बडोनी ने 25 गेंदों में 44 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 23 गेंदों में 38 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी। सेंट्रल दिल्ली किंग्स की ओर से मनी ग्रेवाल सबसे किफायती गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। गवनीश खुराना ने भी दो विकेट हासिल किए, हालांकि उन्होंने 40 रन खर्च किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स को शुरुआती ओवर में ही झटका लगा और कप्तान यश ढुल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद युगल सैनी ने पारी को पूरी तरह बदल दिया।

बिजनेस

धूत ट्रांसमिशन का आईपीओ लॉन्च, 17 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑटोमोटिव और नॉन-ऑटोमोटिव इलेक्ट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम बनाने वाली कंपनी धूत ट्रांसमिशंस का 3,066.89 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 13 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 14 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 829 रुपये से लेकर 871 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 17 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 17 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,807 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,491 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 221 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,52,18,047 शेयर जारी किए जा रहे हैं।

इनमें लगभग 1,400 करोड़ रुपये के 1,60,80,445 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 1,667 करोड़ रुपये के 1,91,37,602 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए ज्यादा से ज्यादा 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। धूत ट्रांसमिशंस की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 298.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 353.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 396.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 2,799.32 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3,472.24 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4,563.70 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 554.90 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 776.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

लोकसभा में खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक पेश

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को लोकसभा में हंगामे के बीच खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को पेश किया। इस विधेयक का मकसद खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में संशोधन करना है। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। जी. किशन रेड्डी ने सदन में विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह विधेयक खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में और संशोधन करने के लिए है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य देश के महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) के अन्वेषण को बढ़ावा देना, खनन क्षेत्र में निवेश को आसान बनाना और खनिज सुरक्षा को मजबूत करना है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में केंद्र सरकार के पास राज्यों के लिए ऐसे नियम तय करने का प्रावधान किया गया है जिसके तहत वे खनन अधिकारों और खनिज वाली जमीनों पर टैक्स, सेस या अन्य लेवी लगा सकें।

स्टॉक मार्केट में अनाविल वायर की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

विंडमिल टावर का निर्माण करने वाली कंपनी अनाविल वायर एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने बढ़त के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 270 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 22.09 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 329.65 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 336.90 रुपये के स्तर तक पहुंचे, वहीं मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण इसने 313.20 रुपये तक गोता भी लगाया। सुबह 10:45 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 325 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 55 रुपये यानी 20.37 प्रतिशत का फायदा हो चुका था। अनाविल वायर एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड का 177.81

करोड़ रुपये का आईपीओ तीन से पांच अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 149.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 164.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 233.36 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। वहीं रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 104.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 65,85,600 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 52,84,800 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि 13,00,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। अनाविल वायर एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है। कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,630 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना

आज 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,51,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, लाल निशान में पहुंचे सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में थोड़ी तेजी भी आई, लेकिन कुछ ही देर बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 2.42 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 78,501.59 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से यह सूचकांक 175 अंक से अधिक उछल कर 78,676.98 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि पहले पांच मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से यह सूचकांक 78,298.92 अंक के स्तर तक टूट गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर मोर्चा संभाला और लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 93.36 अंक की कमजोरी के साथ 78,405.81 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मोलबियो डायग्नोस्टिक्स का आईपीओ, 12 अगस्त तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल प्वायंट ऑफ केयर मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स कंपनी मोलबियो डायग्नोस्टिक्स का 939.70 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 13 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 14 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 768 रुपये से लेकर 807 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय

किया गया है, जबकि लॉट साइज 18 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 18 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,526 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,88,838 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 234 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,16,46,246 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 200 करोड़ रुपये के 24,80,246 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 740 करोड़ रुपये के 91,66,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए ज्यादा से ज्यादा 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है।

'लोगों की परवाह मत करो', यश ने 'टॉक्सिक' ट्रेलर लॉन्च पर कियारा आडवाणी को दी हिम्मत, हेटर्स को दिया मुंहतोड़ जवाब

यश स्टारर गीतू मोहनदास की फिल्म 'टॉक्सिक' का ट्रेलर हाल ही बेंगलुरु में एक इवेंट में लॉन्च किया गया। इसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है और फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। यश के खूंखार किरदार और रूप के अलावा कियारा आडवाणी ने भी सभी को चौंका दिया है। 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च पर यश ने कियारा की तारीफ की, और कहा कि वह लोगों की परवाह न करें और जिस काम में विश्वास हो, उसे करती रहें। यश ने 'टॉक्सिक' के प्रति कियारा आडवाणी के समर्पण की तारीफ की और उन्हें 'तबाही' बताया। साथ ही कहा कि वह लोगों की आलोचनाओं या नफरत भरी टिप्पणियों से प्रभावित न हों। बता दें कि 'टॉक्सिक' में कियारा आडवाणी को उनके रोल और अवतार के लिए खूब बुरा-भला कहा गया।

'तबाही' गाने में यश के साथ उनके सीन्स देख लोगों ने कियारा की खूब छीछालेदर की थी, पर एक्ट्रेस ने कुछ भी नहीं कहा। अब 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च पर यश ने कियारा आडवाणी की तारीफ करते हुए कहा, 'कियारा, मुझे लगता है कि तुमने इसमें जिस तरह का रोल निभाया है, उसकी एक झलक मैंने ट्रेलर में देखी है। तुम सच में बहुत डेडिकेटेड हो। मैंने तुम्हें कड़ी मेहनत करते देखा है।' यश ने कियारा के काम और परफॉर्मेंस को 'तबाही' बताया। यश ने आगे कहा, 'शुरू में हम सभी ने सोचा था कि जब इतने सारे कलाकार आपको एक साथ काम करने को मिलते हैं, तो दिक्कतें हो सकती हैं और कई मुद्दे उठ सकते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि शुरू से ही कियारा बहुत ही सरल स्वभाव की थीं। उन्होंने खुद को इस विजन के लिए समर्पित कर दिया और पूरी तरह से इसमें जुट गईं।' कियारा तुमने इसमें जिस तरह का रोल निभाया है, उसकी एक झलक मैंने ट्रेलर में देखी है। तुम सच में बहुत डेडिकेटेड हो। मैंने तुम्हें कड़ी मेहनत करते देखा है। शुरू से ही कियारा बहुत ही सरल स्वभाव की थीं। उन्होंने खुद को इस विजन के लिए समर्पित कर दिया और पूरी तरह से इसमें जुट गईं। यश, एक्टर कियारा का बढ़ाया हौसला- लोगों की परवाह मत करो यश ने फिर कियारा आडवाणी का हौसला बढ़ाया। उन्हें सलाह दी कि बाहरी प्रतिक्रियाओं से प्रभावित न हों, बल्कि अपने फैसलों को लेकर आत्मविश्वास बनाए रखें। वह बोले, 'एक एक्टर के तौर पर आपको किन-किन चीजों से गुजरना पड़ता है, इसकी परवाह न करें। आप जिस चीज में यकीन रखती हैं, वही करें। लोग आपकी तारीफ करेंगे और आपके काम को सराहेंगे।' एक एक्टर के तौर पर आपको किन किन चीजों से गुजरना पड़ता है, इसकी परवाह न करें। आप जिस चीज में यकीन रखती हैं, वही करें। लोग आपकी तारीफ करेंगे और आपके काम को सराहेंगे। कियारा आडवाणी से यश बोले कियारा आडवाणी को खूब मिली लोगों की नफरत कियारा को हाल ही में 'टॉक्सिक' में अपने रोल, खासकर यश के साथ अंतरंग सीन के कारण सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा था। साथ ही फिल्म में हिंसा दिखाए जाने और महिलाओं के सेक्सुअलाइजेशन को लेकर भी आलोचना हुई। हालांकि, यश का कहना है कि दर्शकों को यह

समझने में थोड़ा समय लग सकता है कि टीम ने इस फिल्म के जरिए क्या करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'बहुत कुछ बदलने वाला है। बस बात यह है कि हम अपने समय से थोड़ा आगे हैं। लोग इसे समझेंगे।' टॉक्सिक' 26 अगस्त को थिएटर्स में पैन इंडिया रिलीज होगी। फिल्म में यश और कियारा आडवाणी के अलावा हुमा कुरैशी, नयनतारा, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत, अक्षय ओबेरॉय, अमित तिवारी और सुदेव नायर भी हैं। यह एक गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें यश पिता और बेटे के डबल रोल में हैं।

बीफ खाने वाला व्यक्ति प्रभु राम का किरदार नहीं निभा सकता : निकिता रावल

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही विवादों में घिर गई है। हाल ही में अभिनेत्री निकिता रावल ने फिल्म 'रामायण' में अभिनेता रणबीर कपूर को भगवान राम के किरदार में देखने पर गहरा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने रणबीर कपूर के एक पुराने बयान को आधार बनाकर यह आरोप लगाया है कि बीफ खाने वाला व्यक्ति हिंदुओं की आस्था के प्रतीक प्रभु राम का किरदार नहीं निभा सकता। निकिता रावल ने सीधे तौर पर फिल्म के बॉयकॉट की भी अपील की है, जिससे यह विवाद और गहरा गया है। निकिता रावल ने एक साक्षात्कार में रणबीर कपूर की कास्टिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह प्रभु राम के रोल के लिए सही चुनाव नहीं हैं। उन्होंने कहा, जो इंसान सार्वजनिक तौर पर यह कह चुका हो कि वह बीफ खाता है, सोचिए वह कितना घटिया और चरित्रहीन इंसान है। आपको क्या लगता है ऐसे इंसान को प्रभु राम का रोल कभी समझ पाएगा? यह तो हिंदुओं की भावनाओं के साथ सीधा खिलवाड़ है। निकिता ने मेकर्स पर भी निशाना साधा और कहा कि खुलेआम बीफ खाने वाले व्यक्ति को राम का किरदार देना राम की आस्था, भावनाओं और चरित्र का अपमान है। उन्होंने हिंदू संगठनों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए और उनसे इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाने का आग्रह किया। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि भले ही कोई और इस मामले पर चुप रहे, लेकिन वह ऐसे घटिया इंसान के बारे में बोलती रहेंगी। उन्होंने मांग की कि रणबीर कपूर को करोड़ों लोगों की आस्था का सवाल होने के नाते माफी मांगनी चाहिए। निकिता रावल के अनुसार, जितना महत्वपूर्ण रोल निभाना है, उतना ही जरूरी लोगों की भावनाओं का सम्मान करना भी है। उन्होंने हैशटैग बॉयकॉट चलाकर फिल्म का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। यह पहली बार नहीं है जब रामायण को लेकर विवाद खड़ा हुआ है। इससे पहले, श्री रामलीला महासंघ ने भी मेकर्स को चेतावनी दी थी कि वे फिल्म रिलीज से पहले उनके लिए एक स्पेशल स्क्रीनिंग का आयोजन करें। महासंघ ने स्पष्ट किया था कि अगर फिल्म में सनातन संस्कृति से किसी भी तरह की छेड़छाड़ पाई गई, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। मालूम हो कि नितेश तिवारी की इस महत्वाकांक्षी फिल्म को लेकर एक ओर जहां दर्शकों में उत्सुकता है, वहीं दूसरी ओर कई धड़ों से इसे लेकर आपत्तिजनक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं।

गजनी प्रदीप रावत के बिना वैसी बन ही नहीं पाती : आमिर खान

बॉलीवुड फिल्म गजनी के को-स्टार एवं दिग्गज अभिनेता प्रदीप रावत के निधन पर बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने उन्हें भावुक श्रद्धांजलि दी। अभिनेता ने उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे दमदार खलनायकों में से एक बताया। आमिर खान ने प्रदीप रावत के अभिनय और उनके काम के प्रति समर्पण की जमकर तारीफ की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्रदीप रावत का काम सिनेमा जगत में कितना महत्वपूर्ण था। आमिर खान ने प्रदीप रावत के बारे में बात करते हुए कहा, वह एक अभिनेता के रूप में बेहद समर्पित और निडर थे। गजनी में उन्होंने जिस तरह मुख्य विलेन का किरदार निभाया, वह भारतीय सिनेमा के सबसे प्रभावशाली खलनायकों में से एक है। अगर वह फिल्म में नहीं होते, तो शायद गजनी वैसी फिल्म बन ही नहीं पाती। आमिर खान के इन शब्दों से यह साफ झलकता है कि प्रदीप रावत ने अपने किरदार को कितनी गहराई से निभाया था, जिसने फिल्म की सफलता में अहम भूमिका निभाई। प्रदीप रावत के निधन से आमिर खान काफी दुखी नजर आए और उन्होंने अपने दुख को साझा

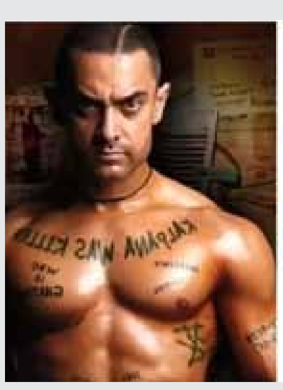

किया। आमिर खान ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म लगान में प्रदीप रावत के निभाए देवा सोढ़ी के किरदार को भी याद किया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई और इतने स्वैग के साथ सोढ़ी का किरदार निभा सकता था। वह एक बहुमुखी अभिनेता थे। उनके जाने की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ है।

प्रदीप रावत के मैनेजर सिद्धार्थ तिवारी ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए बताया कि अभिनेता ने 4 अगस्त की शाम करीब 6 से 6:30 बजे मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। सिद्धार्थ तिवारी ने जानकारी दी कि चार साल पहले उन्होंने कैंसर को मात दे दी थी, लेकिन करीब डेढ़ महीने पहले यह बीमारी दोबारा लौट आई। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई।

अचानक प्लेटलेट्स गिरने के बाद डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके, जो कि एक बेहद दुखद खबर थी। प्रदीप रावत ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी, जहां बी.आर. चोपड़ा के चर्चित धारावाहिक महाभारत में अश्वत्थामा का किरदार निभाकर वह घर-घर में लोकप्रिय हुए थे। इसके बाद, उन्होंने तमिल फिल्म गजनी में निभाए गए अपने खतरनाक विलेन के किरदार को हिंदी रीमेक में भी दोहराया, जिसे खूब पसंद किया गया।

अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी ने बयां किया सी-ग्रेड फिल्मों में काम करने का कडवा सच

हाल ही में दिग्गज अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी ने एक कड़वा सच बयां किया है कि उन्हें अपने करियर के एक दौर में मजबूरीवश कई सी-ग्रेड फिल्मों में काम करना पड़ा था। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनके प्रोडक्शन हाउस के डूबने की वजह से उन पर 1 करोड़ रुपये का भारी-भरकम कर्ज चढ़ गया था, जिसे चुकाने के लिए उनके पास और कोई रास्ता नहीं बचा था। यह खुलासा उन्होंने एक भावुक वीडियो के माध्यम से किया, जहां उन्होंने अपनी जिंदगी के इस मुश्किल दौर का दर्द साझा किया। सुष्मिता मुखर्जी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, मुझसे किसी ने पूछा कि मैम, आपने इतनी खराब फिल्मों में काम क्यों किया? यह सवाल सुनते ही मुझे धक्का लगा। अपनी जिंदगी के उस दौर में वापस लौटकर यह सोचना बेहद तकलीफदेह है कि आखिर मैंने ऐसी सी-ग्रेड और महिलाओं को नीचा दिखाने वाली फिल्मों में काम ही क्यों किया? हां, मैंने बुरी फिल्मों का चुनाव किया, लेकिन भगवान का शुक्र है कि वे अश्लील फिल्में नहीं थीं। फिर भी वे बेहद खराब फिल्में थीं। सुष्मिता ने आगे अपना दर्द बयां करते हुए कहा, लोग पूछते हैं कि क्या मैंने अपनी आत्मा का सौदा किया? तो हां, मैंने अपनी आत्मा बेची। क्या मुझे ऐसा करके अच्छा लगा? मुझे तब भी अच्छा नहीं लगा था और आज भी उस बात का मलाल है। लेकिन उस वक्त मजबूरी ऐसी थी कि मेरे पास इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता ही नहीं बचा था। अपनी आपबीती सुनाते हुए सुष्मिता ने बताया कि साल 2002 में उनका और उनके पति का मीडिया प्रोडक्शन हाउस प्रयास प्रोडक्शंस पूरी तरह से डूब गया था। इस दौरान उन पर करीब 1 करोड़ रुपये का कर्ज़ चढ़ चुका था। उस वक्त टेक्नोलॉजी का एक नया दौर शुरू हो रहा था, जिसमें एंजेल इन्वेस्टर्स और वेंचर कैपिटल जैसे कॉन्सेप्ट आ गए थे, जिनके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। नतीजा यह हुआ कि उनकी कंपनी के साथ-साथ ट्रैक सिनेमा और अनिल चौधरी प्रोडक्शंस भी कंगाल हो गए। उन्होंने आगे बताया, घर के दरवाजे पर लेनदार और रिकवरी एजेंट आने लगे थे। वे गाली-गलौज करते थे, वह बेहद भयानक दौर था। मेरे बच्चे उस समय बहुत छोटे थे। ऐसे हालात में मुझे दोबारा काम की तलाश में निकलना ही पड़ा। जो भी पैसा कमाती, उससे बस वह 1 करोड़ का कर्ज चुकाती थी। मेरे पति और मैंने 3-4 सालों तक दिन-रात एक करके वह कर्ज उतारा। यही वजह थी कि मुझे खराब फिल्में चुननी पड़ीं, मेरे पास और कोई चारा ही नहीं था। इसके अलावा, एक बंगाली मां होने के नाते वह अपनी बेटी को बेहतरीन शिक्षा देना चाहती थीं। उनकी बेटी पढ़ाई में बहुत अच्छी थी, इसलिए उन्होंने उसे आगे पढ़ने के लिए विदेश भेजने का फैसला किया। उसकी पढ़ाई बहुत महंगी थी, वह ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पढ़ने गई, जिसके खर्च को उठाने के लिए भी उन्हें लगातार काम करना पड़ा। इन्हीं सब वजहों से उन्हें वह फैसले लेने पड़े थे। विडंबना यह है कि उस दौर में उन्होंने जो अच्छा काम किया, बदकिस्मती से उससे कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

टीवी एक्टर चार्ली और भारतीय क्रिकेटर रमनदीप ने रचाई शादी, शेयर की तस्वीरें

टीवी की अभिनेत्री चार्ली चौहान ने भारतीय क्रिकेटर रमनदीप सिंह से शादी कर ली है। कई दिनों से दोनों की शादी की तस्वीरें और वीडियोज वायरल हो रहे थे। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए शादी की पुष्टि की। रमनदीप और चार्ली ने गुरुद्वारे में पारंपरिक पंजाबी रीति-रिवाज से शादी की। निजी समारोह में दोनों के परिवार, करीबी दोस्त, क्रिकेट और टीवी जगत से जुड़े लोग शामिल हुए। शादी में अर्शदीप सिंह समेत कई क्रिकेटर भी नजर आए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेत्री चार्ली ने इंस्टाग्राम पर शादी की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की। एक तरफ चार्ली ने लाल रंग का लहंगा पहना था, जबकि रमनदीप ने गोल्डन रंग की शेरवानी पहनी हुई थी। चार्ली के पोस्ट करने से पहले शादी की तस्वीरें कई दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी। हालांकि, अभिनेत्री ने शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि की। अभिनेत्री ने लिखा- एक-दूसरे से प्यार करने, साथ आगे बढ़ने, हंसने और

सपने देखने के 8 खूबसूरत साल और अब, एक-दूसरे के साथ पूरी जिंदगी बितानी है। शुक्रगुजार हूं। इसके साथ ही, अभिनेत्री माही विज ने भी चार्ली को जीवन में आगे बढ़ने के लिए बधाई दी। बता दें चार्ली चौहान जानी मानी टीवी एक्ट्रेस हैं और कई हिट शोज बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवर, कैसी ये यारियां का हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने करियर की शुरुआत एमटीवी रोडीज सीजन 7 में बतौर कंटेस्टेंट के तौर पर की थीं और नच बलिए में भी हिस्सा ले चुकी हैं, जहां उनके डांस पार्टनर कुंवर अमर थे। उन्होंने ये है आशिकी 4 में इनारा का किरदार भी निभाया था। इसके अलावा उन्होंने कुछ शॉर्ट फिल्मों में भी काम किया है। रमनदीप सिंह पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं।

छावा में औरंगजेब का किरदार ठुकरा दिया था अभिनेता अविनाश वाधवन ने

अस्सी और नब्बे के दशक में कई बॉलीवुड फिल्मों में नजर आ चुके अभिनेता अविनाश वाधवन ने एक इंटरव्यू में अपने करियर से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने छावा में औरंगजेब का किरदार ठुकरा दिया था, जो बाद में अक्षय खन्ना के हाथ लगा। अविनाश वाधवन ने बताया कि उन्हें एक कास्टिंग कंपनी से फोन आया था, जिसमें उन्हें लक्ष्मण उतेकर की फिल्म छावा के लिए अप्रोच किया गया था। इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं और अविनाश को इसमें मुख्य विलेन औरंगजेब का किरदार निभाने के लिए बुलाया जा रहा था। जब अविनाश ने भूमिका के बारे में विस्तार से पूछा, तो उन्हें बताया गया कि औरंगजेब के हिस्से में सिर्फ दो या तीन बड़े सीन ही होंगे। साथ ही, उनका लुक पूरी तरह सफेद बाल और लंबी सफेद दाढ़ी वाला होगा, क्योंकि फिल्म में औरंगजेब को बुजुर्ग दिखाया गया है। अविनाश ने स्वीकार किया कि

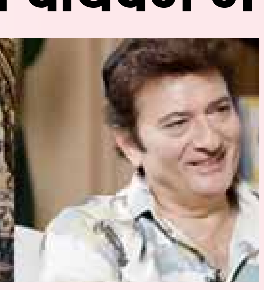

यह किरदार उन्हें बिल्कुल भी प्रभावित नहीं कर पाया। अभिनेता ने आगे बताया कि उन्होंने फिल्म के निर्माताओं से मिलने तक से इनकार कर दिया था। उन्होंने कास्टिंग टीम से कहा कि उन्हें ऐसा किरदार दिया जाए जो उनकी पर्सनैलिटी के मुताबिक हो। अविनाश का मानना था कि इतने साल बाद अगर वह वापसी करें और नकली सफेद दाढ़ी लगाकर पर्दे पर आएं, तो उसका कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने फिल्म की पूरी कहानी भी सुनी थी, लेकिन उन्हें लगा कि औरंगजेब के किरदार में एक अभिनेता के तौर पर ज्यादा संभावनाएं नहीं हैं। वह सिर्फ वापसी करने के लिए कोई भी रोल नहीं करना चाहते थे, बल्कि उनकी इच्छा थी कि वापसी किसी मजबूत निर्देशक और दमदार किरदार के साथ हो। अविनाश ने माना कि शायद वह अकेले ऐसे अभिनेता नहीं थे, जिन्होंने यह रोल ठुकराया। उनके मुताबिक, कुछ और कलाकारों ने भी इसे करने से मना कर दिया था, क्योंकि भूमिका छोटी थी। आखिरकार, यह किरदार अक्षय खन्ना के पास पहुंचा, जिन्होंने इसे शानदार तरीके से निभाया और दर्शकों ने उनकी एक्टिंग की खूब सराहना की।

BRIFF NEWS

ED charges against RCom, Reliance Infra in 40k crore bank fraud

New Delhi, Agency: ED filed two chargesheets, one each against Reliance Communications (RCom) and Reliance Infrastructure Ltd, on Saturday before a special court here, naming Gautam Doshi, Sateesh Seth, Amitabh Jhunjhunwala and the two entities of Anil Ambani's Reliance Group as the accused for offences of money laundering and defalcation of bank funds of over Rs 40,000 crore.

In its chargesheet against RCom, the agency has said that "the proceeds of crime are quantified at Rs 40,186 crore, the outstanding sum defaulted on by the entities to a consortium of banks and financial institutions".

India among top nations in quantum technology, says science minister Jitendra Singh

New Delhi, Agency: India stands alongside the world's leading nations in several advanced technologies, said Jitendra Singh, MoS (independent charge) for science and technology and earth sciences. Speaking at Digit India's Top Appliance Awards 2026, Jitendra Singh highlighted how technology and Artificial Intelligence have transformed access to opportunities and education.

Asked when India would become a manufacturing hub, Singh said, "It indicates that progress is happening at a very fast pace, both in manufacturing and in technology, and unlike I think a decade and a half back, today we are at the same level as any other country in the world..." He highlighted achievements in space exploration and pointed to Chandrayaan's discovery of water molecules on the Moon as an example of the country's specific capabilities.

ED director Rahul Navin's tenure extended by a year

New Delhi, Agency: The tenure of Navin, a 1993-batch Indian Revenue Service (I-T) officer, as director of enforcement has been extended for a period of one year beyond "13.08.2026 i.e. up to 13.08.2027, including extension in service beyond the date of his superannuation or until further orders," as per DoPT. After three years as ED director, he could get two more extensions and serve till August 2029, all through the PM Modi government's tenure, with polls due in April-May 2029.

Written FIR order, alleged verbal stay: Pakridayal SDO, Madhuban SHO contradict each other

SDO denies asking SHO to delay FIR till August 15; SHO claims he was told to wait, citing alleged DM direction in ration scam case

Sagar Suraj

MOTIHARI: A written order directing registration of an FIR in an alleged ration scam has triggered questions over the subsequent delay, with Pakridayal SDO Mangla Kumari and Madhuban SHO Pravin Kumar Pandey giving contradictory accounts of what happened after the complaint reached the police station.

The case concerns PDS dealer Channu Sah, who has been accused of allegedly misappropriating government ration by using forged signatures of beneficiaries.

> "Allegations of her asking the Madhuban SHO to delay FIR registration were baseless. She said she had never called the SHO to defer the FIR and had not issued any such instruction regarding registration of the case"
> **Pakridayal SDO Mangla Kumari**

The complainant claims that the signatures were examined by the Criminal Investigation Department (CID) and found to be forged.

The matter was subsequently pursued before senior district authorities, with the Additional Collector-cum-District Public Grievance Redressal Officer directing action.

The CID is also stated to have written to the East Champaran district magistrate Suman Saurabh Yadav and superintendent of police Swarn Prabhat seeking further action.

Against this backdrop, SDO Mangla Kumari issued letter No. 2049 dated August 6, 2026, directing the Madhuban block supply officer to lodge an FIR and take further action. In compliance, the block supply officer submitted an application at Madhuban police station on August 7.

The controversy arose over what happened after the application was received.

> "SDO Mangla Kumari had ordered an FIR against the PDS dealer in writing. He said she later called him after the application reached the police station and asked him to defer registration until August 15, citing the DM's direction"
> **SHO Pravin Kumar Pandey**

SHO Pravin Kumar Pandey told BNM that a written complaint for registration of the FIR was received by us but subsequently SDO called him and asked that the FIR be delayed, allegedly citing an instruction from East Champaran DM Saurabh Suman Yadav.

According to the SHO, he was asked to wait until August 15. The SDO, however, categorically denied the allegation, saying the claim that she had called the SHO to delay registration of the FIR was baseless and that she had never given such an instruction.

The contradictory accounts raise a key question: if the SHO's version is correct, why was a written FIR direction subsequently kept pending and on whose authority? Conversely, if the SDO's denial is correct, why does the SHO claim to have received such an instruction and cite the DM's name?

The issue has also raised questions for the district administration. Did the DM actually ask the SDO to defer the FIR until August 15? If so, was the direction issued in writing or verbally, and why was it made after the SDO had already ordered registration? If no such direction was issued, the circumstances behind the SHO's claim need examination.

The complainant has alleged that influential persons were attempting to protect the PDS dealer, but there is currently no independent evidence establishing such interference. But contradictions in the statements of SDO and SHO raising suspicion.

Given the alleged CID finding of forged signatures and the existence of a written FIR order, an impartial inquiry into the delay would be necessary.

The immediate issue is whether the August 6 written complaint will be implemented and whether responsibility will be fixed if anyone deliberately obstructed or delayed its execution.

Sharad Pawar's MPs to meet PM Modi; Congress asks them to delink women's quota, delimitation

New Delhi, Agency: A delegation of eight MPs from Sharad Pawar-led NCP (SP) is scheduled to meet Prime Minister Narendra Modi on Monday during the ongoing Monsoon Session of Parliament.

Ahead of the meeting, the Congress has urged its alliance partner to convey the INDIA bloc's opposition to linking the implementation of women's reservation with the proposed delimitation exercise.

AICC secretary Sachin Sawant urged the NCP (SP) delegation to press Modi for the immediate implementation of the Women's Reservation Act, passed in 2023, without waiting for delimitation.

"It is learnt that the MPs of the Nationalist Congress Party - Sharadchandra Pawar will be

meeting Prime Minister Narendra Modi on Monday regarding issues concerning Maharashtra. We urge them to firmly convey to Prime Minister Modi that the INDIA Alliance's unequivocal position is that the Women's Reservation Act, passed in 2023, must be implemented immediately and should not be linked to delimitation," Sawant posted on X on Sunday. "It is important that the unity of the INDIA Alliance and its opposition to the Modi government on this issue is made unequivocally clear," he added.

The Congress' appeal comes ahead of the meeting between PM Modi and eight NCP (SP) MPs, led by party MP Supriya Sule. Sule had said on Saturday that the delegation would raise issues affecting Maharashtra, including farmer suicides, the water crisis and problems caused by rapid urbanisation.

"We - some MPs and I - were talking about that Prime Minister must be apprised about the problems in Maharashtra. There is water related issues, farmer suicides, and problems being faced due to urbanisation," Sule said at a press conference in Mumbai.

Dope test of turbulent Air India flight's pilot 'not negative', sent for confirmation, says government

New Delhi, Agency: The captain of Air India's August 4 Phuket-Delhi flight, which experienced a sudden loss of altitude of about 300 feet, was subjected to a psychoactive substance (dope) screening test on arrival, whose result was "not negative" and has been sent for confirmatory tests, the aviation ministry said Sunday. Media had exclusively reported on Sunday that the pilot of the turbulence-hit flight may have failed the dope test.

The ministry has classified the incident, which led to 17 people being hospitalised, as serious and said the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) will probe it.

"Further action, as appropriate, will be taken based on the outcome of the investigation and confirmatory test results," it said. Directorate General of Civil Aviation rules stipulate that "in case the screening test (for psychoactive substances) is non-negative, the employee shall be immediately removed from the safety-sensitive duty till a confirmatory report is received.

India, Russia to be linked by rail? Moscow floats proposal, calls it 'viable'

New Delhi, Agency: Russian Deputy Prime Minister Marat Khusnullin has called on Moscow and New Delhi to explore the feasibility of a direct rail link to the Indian Ocean, aimed at reducing transit risks associated with the Bosphorus strait and Strait of Hormuz.

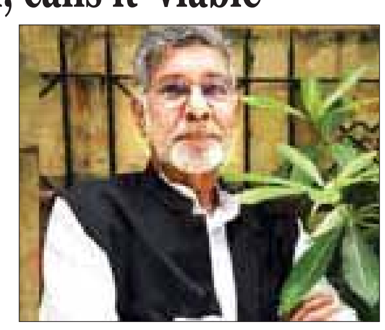

According to Khusnullin, potential routes could pass through Turkmenistan, Iran, Afghanistan and Pakistan, adding that any corridor providing connectivity to India would be considered "viable." If realised, the proposal would create a direct overland rail freight link between Russia and India. "A rail link to the Indian Ocean should also be explored. Risks related to the Bosphorus and the Strait of Hormuz might require alternative routes: through Turkmenistan, Iran, Afghanistan, and Pakistan. Any options providing access to India are acceptable," Khusnullin was quoted as saying by TASS.

The proposal comes amid disruptions to maritime trade through the Strait of Hormuz following the escalation of hostilities between the US-Israel and Iran. On February 28, the US and Israel launched joint strikes on Iran, targeting key urban centres, including Tehran. Iran responded with missile and drone attacks on Israeli targets and US military bases across Bahrain, Jordan, Iraq, Qatar, Kuwait, the UAE and Saudi Arabia.

Tehran subsequently announced a maritime blockade of the Strait of Hormuz targeting vessels linked to the US, Israel and allied countries involved in the conflict. The strategic waterway handles around 20% of global oil trade and nearly 20% of worldwide LNG shipments.

Police search 26 locations tied to banned Jamaat-e-Islami J&K

Srinagar, Agency: ted residential and other premises linked to Jamaat-e-Islami J&K members and activists. No arrest was reported till filing of this report. "The operation was conducted in accordance with due legal procedure and prescribed protocols," police said.

Police said the seized material was being examined to establish further linkages and activities connected with the proscribed organisation. The operation was part of efforts to dismantle networks linked to banned organisations, separatist activities and terrorist funding. Distinct from Jamaat-e-Islami Hind, Jamaat-e-Islami J&K has a history tied to regional separatism and has long had a support base in Sopore. Union government first declared it an "unlawful association" in Feb 2019 under the Unlawful Activities (Prevention) Act. In Feb 2024, the ban was extended for five years, with the government saying the organisation continued activities against India's security, integrity and sovereignty.

7 of 25 high courts without CJs, collegium recommends names for just four

New Delhi, Agency: At a time when seven of the country's 25 high courts are without regular chief justices, the Supreme Court collegium, headed by CJI Surya Kant, recommended the names of four HC judges to the government for their appointment as CJs of the Bombay, Calcutta, Patna, and Punjab and Haryana HCs.

The collegium recommended appointment of Justice Mahesh

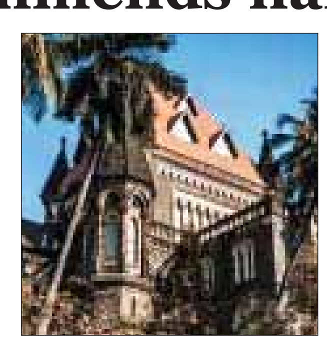

Chandra Tripathi, a judge of Allahabad HC, as CJ of Bombay HC; Justice Ravindra V Ghuge, acting CJ of Bombay HC, as CJ of Calcutta HC; Justice V Kameshwar Rao, judge of Delhi HC, as CJ of Patna HC; and acting CJ Punjab and Haryana HC Justice Ashwini Kumar Mishra - whose parent high court is Allahabad HC - as regular CJ of that HC. The collegium is yet to decide on selecting judges for appointment as regular CJs to HCs of Rajasthan, J&K and Madhya Pradesh, which are manned by acting CJs - Justices Sanjeev Prakash Sharma, Sanjeev Kumar and Vivek Rusia, respectively.

The five-member collegium comprising CJI Kant and Justices Vikram Nath, BV Nagarathna, MM Sundresh and PS Narasimha met separately to recommend the government the transfer of Orissa HC judges Justices Manas Ranjan Pathan and Krushna Ram Mohapatra to Gujarat and Chhattisgarh high courts, respectively, for better administration of justice.

Government may be going slow on FCRA to woo DMK, NCP(SP) for delimitation

New Delhi, Agency: The passage of FCRA amendment bill is not in Lok Sabha's agenda for Monday as Parliament's monsoon session enters its last week, giving rise to the view that government may be going slow on the contentious piece of legislation to sweeten the deal for parties such as DMK and NCP(SP), which are opposed to its provisions and are being seen by the governing alliance as prospective backers for its delimitation exercise.

Sources said the meeting of LS's business advisory committee, where upcoming agenda items are finalised, on

Monday will give more clarity as a schedule for discussion on the bill should be fixed if it has to be taken up for passage in the remaining four days of Parliament's monsoon session ending on Aug 13. Monday's agenda includes the introduction of four bills but makes no mention of the Foreign Contribution (Regulation) Amendment Bill.

Govt may be going slow on FCRA to woo DMK, NCP(SP) for delimitation Government may prefer full-fledged debate on FCRA to address criticism against the bill. The Bill was introduced in Lok Sabha on March 25 but has not been taken up for discussion yet, amid fierce protest from opposition parties and minority groups, especially Christian bodies.

Christian groups, which are a major recipient of foreign funding, have decried the proposed amendments, saying it threatens their charitable works and will allow the government to seize their assets if their FCRA licence is withdrawn or not renewed.

What has, though, made things politically trickier for the BJP is the support extended by DMK president M K Stalin to the demand of a delegation representing churches of different denominations in their meeting with home minister Amit Shah that the bill be either withdrawn or sent to a joint parliamentary committee for scrutiny.

With the government looking to assuage DMK's concerns to get it on board before it makes a fresh bid for Parliament's nod for its delimitation exercise, coupled with implementation of the women's reservation law from 2029, it may not like to put the regional party on the defensive by bringing up the FCRA bill, some MPs said.